भीम प्रज्ञा अलर्ट

'अहंकार हमेशा ऊंचाई पर ले जाता है,पर लौटकर कभी घर नहीं आने देता। विनम्रता भले रास्ता लंबा कर दे,पर मंज़िल तक भी पहुंचाती है और मन भी बचा लेती है।'

दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication

A/C No: 61347330768

IFSC Code- SBIN0031880

Phone pe , G-pay

9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-12 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 1 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

वोट चोर गद्दी छोड़ रैली और एसआईआर को लेकर बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । मंडेलिया हाउस में रविवार को पीसीसी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने दिल्ली में 14 दिसंबर को होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ रैली व एसआईआर अभियान को लेकर कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक में पीसीसी उपाध्यक्ष मंडेलिया ने कार्यकर्ताओं से अधिकाधिक संख्या में रैली में भागीदारी करने का आह्वान किया। साथ ही कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां भी सौंपी। उन्होंने कहा एसआईआर में पार्टी के बीएलए सक्रिय भूमिका निभाएं तथा ये सुनिश्चित करें कि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम नहीं कटे। इस अवसर पर शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धांधू, पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया, मोहम्मद हुसैन निर्वाण, धर्मेंद्र बुडानिया, अबरार खान, नारायण बालान, विमल शर्मा, संजय भाटी, अजीज खान, सूर्यप्रकाश वर्मा आदि उपस्थित थे। संचालन जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया।

चुनाव आयोगः एसआईआर के शेड्यूल में एक सप्ताह की वृद्धि, प्रदेश में 95 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन काम पूरा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । चुनाव आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) की समय सीमा बढ़ाई है। आयोग ने शनिवार को कहा कि अब अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।मतदाता जोड़ने-हटाने का एन्यूमरेशन पीरियड यानी वोटर वेरिफिकेशन अब 11 दिसंबर तक चलेगा, जो पहले 4 दिसंबर तक तय था। वहीं, पहले ड्राफ्ट लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होनी थी, लेकिन अब इसे 16 दिसंबर को जारी किया जाएगा। उधर राजस्थान में निर्वाचन आयोग ने भले तिथि बढ़ा दी है, लेकिन राजस्थान में डिजिटलाइजेशन का काम 95 प्रतिशत से अधिक रविवार को ही पूरा हो चुका है।

प्रदेश में कुल 5 करोड़ 46 लाख 56 हजार 215 गणना प्रपत्रों में से 5 करोड़ 24 लाख से अधिक प्रपत्र श्वष्टह्न-हृश्वञ्ज पर अपलोड किए जा चुके हैं, जो निर्धारित अवधि से पूर्व ही 95.9 प्रतिशत उपलब्धि है।प्रदेश के 25,000 से अधिक पोलिंग बूथों पर बीएलओ द्वारा 100 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। बाड़मेर, सलूंबर, बालोतरा एवं

झालावाड़ जिलों में 100 प्रतिशत गणना प्रपत्र डिजिटलाइज हो चुके हैं। वहीं 15 विधानसभा क्षेत्रों – खानपुर, सिवाना, डग, मनोहर थाना, भीनमाल, सलूंबर, चौहटन, पचपदरा, राजगढ़-लक्ष्मणगढ़, गुड़ामालानी, झालरापाटन, बाड़ी, शिव एवं बाड़मेर में 100 प्रतिशत गणना प्रपत्र डिजिटाइज हो चुके हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण का संशोधित कार्यक्रम

गणना चरण – 11.12.2025 (गुरुवार) तक

ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन – 16.12.2025 (मंगलवार) को

दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि – 16.12.2025 (मंगलवार) से 15.01.2026 (गुरुवार) तक

नोटिस चरण (जारी करना, सुनवाई और सत्यापन); गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावों व आपत्तियों का निपटान ERO द्वारा साथ-साथ किया जाएगा – 16.12.2025 (मंगलवार) से 07.02.2026 (शनिवार) तक

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन – 14.02.2026 (शनिवार) को किया जाएगा।

तबादलों पर रोक जारी रहेगी, इलेक्शन पर असर भी

एसआईआर से जुड़े कर्मचारी और अधिकारियों के तबादलों पर रोक की तिथि में भी सप्ताह भर की वृद्धि मानी जाएगी। उधर प्रदेश में स्थानीय चुनाव कब होंगे, इसका पता नहीं है, लेकिन चुनाव कराने की आयोग की प्लानिंग पर भी इन तिथियों की वृद्धि का छोटा-सा असर पड़ेगा।भारत निर्वाचन आयोग ने 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए प्रासंगिक तिथियों को एक सप्ताह बढ़ाकर संशोधित कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसमें 01.01.2026 को अर्हक तिथि माना गया है।

दैनिक भीम प्रज्ञा के डिजिटल प्लेटफॉर्म के हेड इंचार्ज आशीष यादव नियुक्त

भीम प्रज्ञा ऑफ़िशियल न्यूज़।

झुंझुनू जिले के बुहाना उपखंड के सहड़ गांव निवासी एडवोकेट मनु यादव के सुपुत्र आशीष यादव को दैनिक भीम प्रज्ञा के डिजिटल प्लेटफॉर्म हेड इंचार्ज के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उनकी कंप्यूटर साइंस में विशेषज्ञता, तकनीकी ज्ञान और कार्यकुशलता को देखते हुए की गई है। समूह संपादक एवं प्रकाशक एडवोकेट हरेश पंवार ने उनके डिजिटल स्किल, तेज़ सीखने की क्षमता और मीडिया तकनीक पर पकड़ का निरीक्षण करने के बाद यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा। हरेश पंवार ने विश्वास जताया कि आशीष यादव के जुड़ने से दैनिक भीम प्रज्ञा का डिजिटल प्लेटफॉर्म नई ऊंचाइयों को छुएगा और समाचार कार्यप्रणाली और अधिक आधुनिक, तेज़ व तकनीकी रूप से मज़बूत होगी। नियुक्ति मिलने पर आशीष यादव ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि 'मैं अत्यंत हर्षित हूँ कि मुझे एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र के डिजिटल प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मैं अपनी पूरी क्षमता, तकनीकी ज्ञान और कार्यकौशल का उपयोग कर भीम प्रज्ञा के डिजिटल विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दूँगा।' उनकी नियुक्ति पर दैनिक भीम प्रज्ञा के न्यूज़ एडिटर नवीन कुमार, झुंझुनू ब्यूरो चीफ रजनीकांत मिश्रा, लीगल एडवाइजर एडवोकेट मनोज पंवार तथा चेयरपर्सन मीना देवी ने शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि डिजिटल युग में यह निर्णय अखबार के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। आशीष यादव की नियुक्ति से भीम प्रज्ञा परिवार में उत्साह का माहौल है और सभी को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में डिजिटल मीडिया सेक्शन नई ऊर्जा और रचनात्मकता के साथ आगे बढ़ेगा।

सिरसा की लोकसभा सांसद कु शैलजा ने थमतान साहिब में माथा टेका

धमतान साहिब की पावन धरा पर 350 साला बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में की शिरकत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना/धमतान साहिब।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । रविवार को धमतान साहिब की पावन धरा पर सिख पंथ के नौवें गुरु, धर्म और मानवता के लिए अपने प्राणों का त्याग करने वाले महापुरुष हिंद दी चादर श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के बलिदान दिवस को350वर्ष पूरा होने के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी की महासचिव व सिरसा सिरसा लोकसभा

से लोकप्रिय सांसद कुमारी शैलजा ने धमतान साहिब गुरुद्वारा साहिब में माथा टेका व अरदास की। सांसद कुमारी शैलजा के साथ क्षैत्र से काफी कार्यकर्ताओं ने भी माथा टेका जिसमें टोहाना कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ युवा नेता बलजिंदर सिंह ठरवी सतबीर दबलैन, बिजेंद्र सिंह सुरजेवाला व आशुतोष शर्मा में मुख्य रूप से सांसद कुमारी शैलजा के साथ थे।इस अवसर पर टोहाना वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बलजिंदर सिंह ठरवी ने बताया कि सिरसा लोकसभा सांसद कुमारी शैलजा इस कार्यक्रम में विशेष रूप से दर्शन हेतु ही आई थी उनके इस प्रोग्राम में शामिल होने के इलावा और कोई प्रोग्राम नहीं था।

मुबारिक हुसैन बने स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ, शहर जिला बीकानेर मीडिया प्रभारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ बीकानेर के शहर जिला अध्यक्ष हसन अली गौरी ने आज प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए स्थानीय निकाय प्रकोष्ठ शहर जिला मीडिया प्रभारी के पद पे नियुक्त किया है। गौरी ने इस अवसर पर कहा कि हुसैन की यह नियुक्ति न केवल संगठन की गतिशीलता को बढ़ाएगी, गतिविधियों और पहुंच को भी नई मज़बूती प्रदान करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अपने संगठनात्मक कौशल और जनसेवा के प्रति समर्पण से वार्ड के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उनकी नियुक्ति के बाद, स्थानीय निकाय

प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं और वार्ड निवासियों ने को बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करेगा।

विधायक काला का सम्मान, बिजौली को ग्राम पंचायत बनाने पर ग्रामीणों ने जताया आभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलान।

पिलानी विधायक पितराम सिंह काला का बिजौली के ग्रामीण जनों की ओर से उनके विधायक आवास पर भव्य सम्मान किया गया। यह सम्मान बिजौली को ग्राम पंचायत का दर्जा दिलाने में विधायक काला के प्रयासों की सफलता के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। बिजौली से आए ग्रामीण जनों ने विधायक काला को साफा पहनाकर और माल्यार्पण कर उनका हार्दिक अभिनंदन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक का धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हुए उनके इस महत्त्वपूर्ण कदम की सराहना की। सम्मान समारोह के दौरान अपने उद्बोधन में विधायक पितराम सिंह काला ने कहा कि ग्राम पंचायत लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाई होती है। उन्होंने ज़ोर दिया कि बिजौली के नई ग्राम पंचायत बनने से अब गांव का विकास और भी अच्छी तरह से हो पाएगा। उन्होंने क्षेत्र की जनता को आश्वस्त किया कि वह आगे भी क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर

प्रयासरत रहेंगे। इस अवसर पर सम्मान समारोह में सू0 चन्दगीराम, छगन सिंह, जीवनसिंह, राजकुमार अग्रवाल, बजरंग सिंह, विजयसिंह, इन्दरसिंह पीपली, मोती लाल बाडेटिया, अनिल जांगिड़, सुभाष आमेरिया सहित अनेक गणमान्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर इस नई उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

चूरू बाइपास पर मन्नत मोटर्स में गैंग का हमलाः 18 कारें जलकर राख, 5 दिन पुरानी शिकायत पर भी कार्रवाई नहीं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

झुंझुनूं के चूरू बाइपास पर शनिवार रात मन्नत मोटर्स वर्कशॉप में उस समय हड़कंप मच गया, जब बदमाशों ने पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। रात करीब दस बजे हुई इस वारदात में वर्कशॉप के अंदर खड़ी 18 कारें कुछ ही मिनटों में आग की लपटों में घिरकर जलकर राख हो गईं। आग इतनी भयानक थी कि दो किलोमीटर दूर तक धुआं दिखाई देता रहा और लगातार धमाकों की आवाज़ें सुनकर लोग दहशत में घरों से बाहर निकल आए। पूरा इलाका पुलिस, दमकल और लोगों की भारी भीड़ से भर गया। वर्कशॉप संचालक नासिर राठौड़ ने बताया कि वह शाम को वर्कशॉप बंद करके घर चले गए थे और रात करीब 10 बजे पड़ोसियों ने फोन कर आग की सूचना दी। जब वे मौके पर पहुंचे तो पूरी वर्कशॉप जल रही थी और पेट्रोल-डीजल के कारण आग तेजी से फैलती

जा रही थी। दमकल की तीन गाड़ियों ने डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सबकुछ राख हो चुका था।

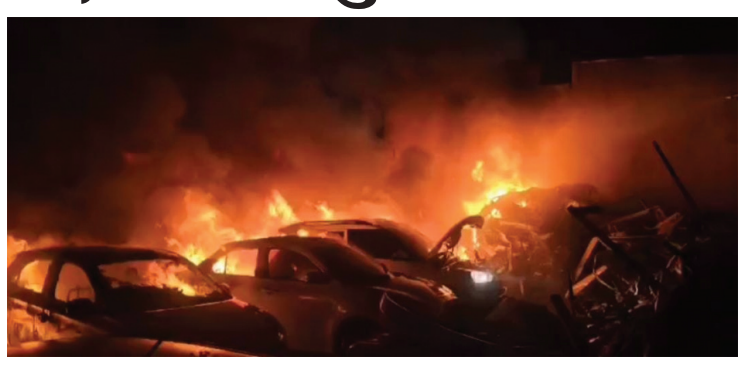

घटना के बाद सामने आए सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि बदमाश वर्कशॉप में घुसे, गाड़ियों के शीशे तोड़े और पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। संचालक का कहना है कि यही आरोपी पांच दिन पहले वर्कशॉप और पास के होटल में तोड़फोड़ करने वाले युवक हैं। 24 नवंबर की रात अनिल कुमावत और उसके साथियों ने वर्कशॉप के बाहर खड़ी कार में तोड़फोड़ की थी और पेट्रोल बम भी फेंका था, लेकिन आग नहीं लगी। अगले दिन शिकायत कोतवाली में दर्ज करा दी गई थी और फुटेज भी सौंप दिया गया था। उसी रात मन्नत होटल में भी तोड़फोड़ की गई थी और पेट्रोल बम फेंका गया था, जिसकी शिकायत होटल संचालक ने भी पुलिस को दी थी। होटल संचालक का कहना है कि घटना से तीन-चार दिन पहले ही उन्हें आग लगाने की धमकी दी गई थी, जिसकी जानकारी भी पुलिस को दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसी लापरवाही का नतीजा है कि आरोपियों ने पांच दिन बाद बड़ी आगजनी की वारदात को अंजाम दे दिया। पूरा मामला दोनों पक्षों के बीच चल रहे पुराने जमीन विवाद से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से तनाव बढ़ता गया था और कई बार कहासुनी भी हो चुकी थी। आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घरों में धुआं भर गया और लोग कीमती सामान बाहर निकालकर खड़े हो गए। टायरों के फटने, कांच टूटने और फ्यूल टैंकों में धमाकों की आवाज़ें लगातार आती रहीं। जब आग बुझी तो वर्कशॉप का पूरा ढांचा खाक हो चुका था। टिन शेड पिघल गई, 18 कारें राख में बदल गईं और मशीनें, औजार व सामान सब जल चुका था। नुकसान कई लाख रुपये से ऊपर बताया जा रहा है। लोगों ने पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं और कहा है कि अगर 25 नवंबर को शिकायत पर कार्रवाई कर ली जाती तो इतनी बड़ी घटना नहीं होती। फुटेज में आरोपी साफ नजर आने के बावजूद पुलिस ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिससे बदमाशों के हौसले बढ़े। फिलहाल पुलिस फुटेज के आधार पर जांच कर रही है और कुछ लोगों से पूछताछ भी शुरू कर दी है। लेकिन पीड़ित पक्ष का कहना है कि जब पहले ही सबूत सौंप दिए गए थे, तो पांच दिन बाद भी आरोपी खुलेआम वर्कशॉप में आग कैसे लगा गए। संचालक नासिर राठौड़ ने कहा कि अगर पुलिस ने समय रहते कदम उठाए होते तो आज 18 गाड़ियां नहीं जलतीं।

राजस्थान में दिसंबर के पहले सप्ताह में कोल्ड-वेव का अलर्ट

3 डिग्री तक गिरा पारा, उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों की बर्फीली हवा बढ़ाएगी ठंड

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान में अब सर्दी फिर से बढ़ने लगी है। रविवार को प्रदेश के कई शहरों में रात का न्यूनतम तापमान 1 से 3 डिग्री तक गिर गया। सीकर, अलवर, चूरू, श्रीगंगानगर समेत कुछ शहरों में कल (30 नवंबर) न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे यानी सिंगल डिजिट में पहुंच गया। सबसे कम तापमान रविवार को बीकानेर के पास लूणकरणसर में दर्ज हुआ। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, सोमवार और मंगलवार को राज्य में इसी तरह का मौसम रहने का अनुमान है। 3 दिसंबर से राज्य के कुछ शहरों में शीतलहर का दौर शुरू होगा, जिसके चलते शेखावाटी के जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई शहरों में आसमान में हल्की धुंध छाई रही, जिससे धूप कमजोर रही। जयपुर, अजमेर, सीकर, नागौर, बाड़मेर, जोधपुर समेत कई शहरों में रविवार को धूप कमजोर रहने से दिन में भी ठंडक का असर रहा।

रविवार को बाड़मेर में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जोधपुर में अधिकतम तापमान 29.4, फलोदी में 27.2, जैसलमेर में 26.9, उदयपुर में 27.4, कोटा में 27.4, जयपुर में 26, अजमेर में 25.7, बीकानेर में 26.6 और चूरू में 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 25.7, चित्तौड़गढ़ में 28.6, सीकर में 25.5, अलवर में 25, भीलवाड़ा में 27.4, वनस्थली (टोंक) में 26.2, हनुमानगढ़ में 27.1, जालौर में 29.4, बारां में 26.7 और सिरोही में 22.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

रात में सर्दी बढ़ी, पारा 10 डिग्री से नीचे आया

कुछ दिनों तक सीकर, पिलानी (झुंझुनूं), झुंझुनूं समेत कुछ शहरों में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव और उत्तरी हवाओं के कमजोर पड़ने से न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हो रहा था। रविवार को यहां तापमान में बड़ी गिरावट हुई। सीकर में न्यूनतम तापमान (2.5 डिग्री गिरकर) 9 डिग्री सेल्सियस, श्रीगंगानगर में (2 डिग्री गिरकर) 7.3, अलवर में (1.5 डिग्री गिरकर) 9.5, पिलानी में (1.5 डिग्री गिरकर) 8.5, बीकानेर में (3.5 डिग्री गिरकर) 10.8 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। कल सबसे कम न्यूनतम तापमान लूणकरणसर में 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

नीमराणा पुलिस उपाधीक्षक गुप्ता आज संभालेगीं पदभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.कोटपूतली।

नीमराणा नवनियुक्त पुलिस उपाधीक्षक चारुल गुप्ता सोमवार को अपना कार्यभार ग्रहण करेगीं। डिप्टी एसपी गुप्ता ने,बोली– 'अपराधियों में भय,आमजन में विश्वास की भावना को रखेंगे कायम। उन्होंने कहा की पुलिस का पहला प्रयास यही रहेगा की क्षेत्र मे कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा अपराधों पर सख्त कदम उठाने को लेकर पुलिस विशेष प्रयास करेगी साथ ही कहा कि ईलाकों में नशाखोरी, अवैध गतिविधियों और बढ़ते अपराधों पर पूरी तरह नकेल कसने को लेकर विशेष रणनीति के तहत पुलिस प्रभावीं कार्यवाही करेगी, उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'पुलिस आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय की भावना पैदा करते हुए शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर समय तत्पर रहेगी। 'उपाधीक्षक गुप्ता ने बताया की सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। इसके लिए समय-समय पर विशेष अभियान चलाए जाएंगे, जिसमें तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई,नशे की हालत में वाहन चलाने वालों पर कड़ी कानूनी कार्यवाही,यातायात नियमों के पालन को लेकर जागरूकता अभियान। उन्होंने कहा कि इन कदमों से क्षेत्र में दुर्घटनाओं में कमी लाने का लक्ष्य रखा जाएगा।

उदयपुरवाटी में विनायक फिजियोथैरेपी अस्पताल का कांग्रेस नेता संदीप सैनी ने फिता काटकर किया शुभारंभ

मरीज को मिलेगी उदयपुरवाटी में सेवाएं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

कस्बे के जयपुर रोड पर स्थित रविवार को विनायक फिजियोथैरेपी अस्पताल का कांग्रेस नेता संदीप सैनी ने फिता काटकर शुभारंभ किया।इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे वहीं डॉ दीपेंद्र सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि मरीजों को अब सीकर जयपुर झुंझुनू नहीं जाना पड़ेगा बल्कि उदयपुरवाटी में ही फिजियोथैरेपी की सारी व्यवस्थाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। इस मौके पर विधि विधान से पूजा अर्चना कर अस्पताल का शुभारंभ किया गया जहां बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे इस मौके पर कांग्रेस नेता संदीप सैनी, मालाराम सैनी, सनशाइन अस्पताल के डॉ

रविकांत महेरिया, डॉ,अनिल सैनी डा. दीपेंद्र सैनी डॉ अनिल कुमावत,मूलचंद सैनी, छापोली पूर्व सरपंच प्रतिनिधि शीशपाल सैनी, सुनील सैनी, बाबूलाल सैनी राजेंद्र सैनी गजानंद सैनी दिनेश सैनी नरेश सैनी, कृष्ण सैनी, संदीप सैनी, जमन लाल सैनी, मालाराम सैनी, सुनील सैनी, पूर्व सरपंच श्रीमाधोपुर बंशीधर सैनी, बाबूलाल सैनी राजेंद्र सैनी गजानंद सैनी दिनेश सैनी नरेश सैनी, कृष्ण सैनी, संदीप सैनी, अनेक लोग मौजूद है।

टीकाराम जूली : मिट्टी से उठकर शिखर तक पहुंचा एक जननायक

राजस्थान की दलित चेतना संघर्ष और स्वाभिमान के सबसे तेजस्वी प्रवक्ता

भीम प्रज्ञा पॉलिटिक्स लीडर न्यूज।

राजस्थान प्रदेश के कांग्रेस पार्टी के अनुभवी नेता टीकाराम जूली युवा नेता, दलित-पृष्टभूमि से आते एक राजनीतिक नेता हैं, जिनका राजनैतिक सफर संघर्ष, जनसंगठन और जनता की आवाज़ के साथ जुड़ा है। हाल में उनके 45वें जन्मदिन पर पूरे प्रदेश विशेषकर उनके निर्वाचन क्षेत्र एवं मत्स्य नगर क्षेत्र में उत्सव और सम्मान का माहौल देखा गया।

45वें जन्मदिन पर पूरे प्रदेश में उत्सव और सम्मान का माहौल देखा गया

उनके जन्मोत्सव पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर ने यह स्पष्ट कर दिया कि जनता में उनके प्रति कितनी मजबूत आस्था और विश्वास है।

राजस्थान की राजनीति में यदि किसी नाम ने पिछले दो दशकों में सामाजिक न्याय, दलित सशक्तिकरण, जन मुद्दों की पैरवी और जमीनी संघर्ष की नई पहचान बनाई है, तो वह है– टीकाराम जूली, वर्तमान में राजस्थान विधानसभा के प्रतिपक्ष नेता, पूर्व मंत्री और अलवर जिले से उभर कर पूरे राज्य में अपनी धाक जमाने वाले युवा, जुझारू और कर्मठ जननायक।

उनका 45वां जन्मदिन पूरे प्रदेश में किसी उत्सव की तरह मनाया गया–अलवर में विशाल रक्तदान शिविर, युवाओं का उमड़ता जनसमूह और समर्थकों का जोश इस बात का प्रमाण है कि जूली ने जनता के दिलों में अपने लिए विश्वास का एक मजबूत स्थान बनाया है।

1. साधारण परिवार में जन्म, लेकिन असाधारण संघर्ष–टीकाराम जूली की जीवन कथा

टीकाराम जूली का जन्म राजस्थान के अलवर जिले में नीमराना तहसील के काठूवास गांव में एक साधारण परिवार में हुआ। बचपन में संसाधनों की कमी, ग्रामीण माहौल और आर्थिक संघर्षों ने उन्हें जीवन का यथार्थ बहुत जल्दी सिखा दिया। परिवार की आर्थिक परिस्थितियों ने कम उम्र में ही उन्हें समझा दिया कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए केवल कड़ी मेहनत, ईमानदारी और संघर्ष ही रास्ता हैं। जूली का परिवार सामाजिक मूल्यों, परिश्रम और सादगी के लिए जाना जाता था। पिता एक जिम्मेदार और मेहनतकश व्यक्ति थे, वहीं माता ने पुत्र में नैतिकता और सेवा-समर्पण के संस्कार रोपित किए। इन्हीं मूल्यों और संस्कारों ने उन्हें आगे चलकर राजनीति में जनता-जनार्दन का प्रतिनिधि बनने की प्रेरणा दी।

निजी जीवन और पारिवारिक पृष्ठभूमि

टीकाराम जूली का जन्म 30 नवंबर 1980 को हुआ। उनका जन्म स्थान है काठूवास, नीमराणा, अलवर (राजस्थान)। वे दलित समाज की मेघवाल जाति से संबंध रखते हैं। उनके पिता का नाम लेख राम जूली, और माता का नाम विमला देवी है। उनके परिवार में भाई-बहन भी हैं (दो भाई और दो बहनें)।

टीकाराम जूली की शिक्षा-पृष्ठभूमि इस प्रकार है – उन्होंने बी.ए. की पढ़ाई की है और बाद में एल.एल.बी. (कानून) की डिग्री प्राप्त की है। वे पेशे से एक अधिवक्ता (स्र1शष्ठुहृद्ध), व्यवसायी और राजनीतिज्ञ हैं। उनके परिवार में उनकी पत्नी गीता देवी और दो बच्च्वें हैं।

इन सभी जानकारियों से स्पष्ट है कि टीकाराम जूली – एक मध्यम-वर्गीय पारिवारिक पृष्ठभूमि से आते हुए – अपनी मेहनत, पढ़ाई और संघर्ष के बल पर राजनीति में आए हैं।

राजनीतिक आरंभ और विधानसभा तक की यात्रा

टीकाराम जूली ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत जिला स्तर से की – वे पहले अलवर जिला प्रमुख रहे। फिर उन्होंने 2008 में पहली बार विधायक (स्र्र) के रूप में अलवर ग्रामीण सीट से जीत हासिल की। 2013 में उन्हें इस बार हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन 2018 में पुनः जीतकर उन्होंने अपनी पकड़ मजबूत की और विधानसभा लौटे। इस तरह, तीन-चार दशक पुराने स्थिर राजनीतिक परिदृश्य में, जूली ने एक गांव-दलित पृष्ठभूमि से आते हुए, लगातार लोकसेवा और जनसंपर्क के बल पर खुद को स्थापित किया।

2. शिक्षा से लेकर समाजसेवा तक–एक जननेता की नींव

टीकाराम जूली ने अपनी शिक्षा अलवर में पूरी की। पढ़ाई के दौरान ही वे सामाजिक गतिविधियों में बेहद सक्रिय रहे। विद्यालय तथा कॉलेज में वे छात्र समस्याओं, सामाजिक असमानताओं और दलित वर्ग के मुद्दों को उठाते रहे। यह वही समय था जब उन्होंने पहली बार समझा कि 'जहाँ आवाज उठाने वाला कोई नहीं होता, वहाँ अन्याय खुद को व्यवस्था बना लेता है।' यही भावना आगे चलकर उनके राजनीतिक जीवन की आत्मा बनी।

3. राजनीति में प्रवेश : संघर्ष का आरंभ, सत्ता नहीं–सेवा लक्ष्य

टीकाराम जूली ने राजनीति को कभी अवसर नहीं, बल्कि ज़िम्मेदारी के रूप में चुना। उनका राजनीतिक प्रवेश कांग्रेस संगठन के युवाजन आधार से हुआ। धीरे-धीरे वे स्थानीय स्तर पर मजबूती से उभरे और लोगों की समस्याओं के लिए संघर्ष करने के कारण उन्हें व्यापक जनसमर्थन मिलने लगा। **अत्यंत कम समय में उन्होंने सिद्ध कर दिया कि** 'जनता के बीच रहने वाला नेता ही असली नेता होता है।' उनकी लोकप्रियता और संघर्षशीलता ने उन्हें कांग्रेस संगठन में एक प्रभावशाली चेहरा बना दिया।

4. जनसेवा की सीढ़ियां : मंडल से प्रदेश तक की यात्रा

टीकाराम जूली ने राजनीति को कभी अवसर नहीं, बल्कि ज़िम्मेदारी के रूप में चुना। उनका राजनीतिक प्रवेश कांग्रेस संगठन के युवाजन आधार से हुआ। धीरे-धीरे वे स्थानीय स्तर पर मजबूती से उभरे और लोगों की समस्याओं के लिए संघर्ष करने के कारण उन्हें व्यापक जनसमर्थन मिलने लगा। **अत्यंत कम समय में उन्होंने सिद्ध कर दिया कि** 'जनता के बीच रहने वाला नेता ही असली नेता होता है।' उनकी लोकप्रियता और संघर्षशीलता ने उन्हें कांग्रेस संगठन में एक प्रभावशाली चेहरा बना दिया।

5. दलित राजनीति का उभरता सितारा : संघर्ष और स्वाभिमान की आवाज

टीकाराम जूली ने राजनीति को कभी अवसर नहीं, बल्कि ज़िम्मेदारी के रूप में चुना। उनका राजनीतिक प्रवेश कांग्रेस संगठन के युवाजन आधार से हुआ। धीरे-धीरे वे स्थानीय स्तर पर मजबूती से उभरे और लोगों की समस्याओं के लिए संघर्ष करने के कारण उन्हें व्यापक जनसमर्थन मिलने लगा। **अत्यंत कम समय में उन्होंने सिद्ध कर दिया कि** 'जनता के बीच रहने वाला नेता ही असली नेता होता है।' उनकी लोकप्रियता और संघर्षशीलता ने उन्हें कांग्रेस संगठन में एक प्रभावशाली चेहरा बना दिया।

6. मंत्री पद, सामाजिक न्याय कार्य और ऊंचाई – राजनीतिक उपलब्धियां

उनके राजनीतिक जीवन का महत्वपूर्ण दौर तब आया जब वे पूर्व में राजस्थान सरकार में राज्य मंत्री रहे – श्रम विभाग, कारखाना व बॉयलर निरीक्षण, सहकारिता, तथा इंदिरा गांधी नहर परियोजना जैसी जिम्मेदारियां संभालीं।

बाद में उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाए जाने का गौरव प्राप्त हुआ। इन अनुभवों ने उन्हें यह क्षमता दी कि वे न सिर्फ अपनी विधानसभा क्षेत्र की बल्कि राज्य-भर की ज़रूरतों को समझें और जनहित के लिए काम करें। राजनीतिक तौर पर, जूली ने केवल वोट बैंक तक सीमित राजनीति नहीं की, बल्कि सामाजिक न्याय, दलित एवं वंचित समुदायों, मजदूरों और अल्पसंख्यकों के उत्थान पर जोर दिया – जिससे उनकी लोकप्रियता जमीन पर मजबूत हुई।

2024 – नेता प्रतिपक्षः एक ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक जिम्मेदारी 16 जनवरी 2024 को, कांग्रेस ने टीकाराम जूली को राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष (Leader of Opposition, Rajasthan Assembly) नियुक्त किया। यह नियुक्ति इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि इस पद पर पहली बार किसी दलित नेता को चुना गया – जो कि सामाजिक न्याय, समावेशिता और नेतृत्व में बदलाव का स्पष्ट संकेत है। कांग्रेस द्वारा यह दांव न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत क्षमताओं पर भरोसा दिखाता है, बल्कि पार्टी की सामाजिक न्याय की सोच को भी प्रतिबिंबित करता है। इस नए कृतित्व के साथ, टीकाराम जूली पुरानी राजनीति परंपराओं से हटकर – एक युवा, जमीन-से जुड़े हुए, संवेदना और वंचित कल्याण को प्राथमिकता देने वाले नेता के रूप में सामने आए।

राजस्थान की राजनीति में यदि किसी नाम ने पिछले दो दशकों में सामाजिक न्याय, दलित सशक्तिकरण, जन मुद्दों की पैरवी और जमीनी संघर्ष की नई पहचान बनाई है, तो वह है—टीकाराम जूली,

7. प्रतिपक्ष नेता के रूप में मुखर, तार्किक और जनहितैषी भूमिका

वर्तमान में राजस्थान विधानसभा के प्रतिपक्ष नेता के रूप में टीकाराम जूली का कद और भी बढ़ गया है। उनकी सबसे बड़ी पहचान यह है कि वे सदन में करारे और तथ्यपूर्ण सवाल उठाते हैं।

उनके द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दे– बेरोजगारी किसानों की समस्याएँ शिक्षा व स्वास्थ्य की अव्यवस्था दलित एवं कमजोर वर्गों पर अत्याचार भ्रष्टाचार और अनियमितताएँ प्रदेश में व्याप्त कानून-व्यवस्था की चुनौतियाँ वे अपनी बेबाक वाणी, तथ्यों की गहराई, स्पष्ट तर्क और जनता से जुड़ाव के कारण विपक्ष की आवाज को मजबूती से बुलंद करते हैं।

8. जमीन से जुड़े नेता सादगी, सौम्यता और मानवीय संवेदनाओं का प्रतिमान

टीकाराम जूली की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सादगी और सौम्यता है। वे आज भी आमजन के बीच उसी सहजता से मिलते हैं जैसे अपने शुरुआती दिनों में। न कोई दिखावा, न विलासिता–सिर्फ जनता के लिए समर्पण। उनके समर्थक और विरोधी–दोनों यह मानते हैं कि जूली राजनीति में ईमानदारी, शालीनता और संयम की मिसाल हैं।

9. समाजसेवा और मानवीय दायित्व–युवाओं के प्रेरक स्तंभ

जूली समाजसेवा को राजनीति से बड़ा समझते हैं। उनके जन्मदिन पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में युवाओं का उमड़ता सैलाब इस बात का प्रमाण है कि वे नए पीढ़ी के लिए प्रेरणा, नेतृत्व और मार्गदर्शन का स्रोत बन चुके हैं। उन्होंने हमेशा युवाओं को शिक्षा, रोजगार, खेल, नशामुक्ति और कौशल विकास में आगे आने के लिए प्रेरित किया है।

10. भविष्य का विज़न - एक न्यायपूर्ण, समान और विकसित राजस्थान

टीकाराम जूली का विजन स्पष्ट है– 'एक ऐसा राजस्थान, जहाँ जाति, वर्ग, क्षेत्र और आर्थिक स्थिति के आधार पर किसी भी नागरिक के अवसर सीमित न हों।'

उनकी राजनीति का आधार–

समानता
न्याय
अवसर
पारदर्शिता
विकास
मानवीय संवेदनाएँ है।

समापन : संघर्ष की मिट्टी से उगा हुआ एक जननेता

टीकाराम जूली का राजनीतिक सफर सिर्फ एक नेता की कहानी नहीं, बल्कि संघर्ष, साहस, सादगी और सामाजिक न्याय की एक प्रेरक गाथा है। उन्होंने अपने जीवन से सिद्ध कर दिया है कि 'जो नेता जनता के लिए लड़ता है, जनता उसे कंधों पर उठाकर शिखर तक पहुंचा देती है।' जूली न केवल अलवर, बल्कि पूरे राजस्थान के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं– दलित राजनीति के ध्वजवाहक, निडर प्रतिपक्ष नेता, समाजसेवी और जमीनी जननेता।

मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम:SIR में नाम कटने का डर; अब 50 साल से अधिक उम्र वाले बनवा रहे जन्म प्रमाण पत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत बिहार में बड़ी संख्या में वोटर्स के मतदाता सूची से नाम कट गए थे। इसकी वजह मतदाताओं का मूल? निवासी होने का सत्यापन नहीं होना था। इसके लिए जन्म प्रमाण पत्र सहित 12 दस्तावेज मांगे गए थे।? ऐसे में प्रदेश में भी नाम कटने के डर से लोग जन्म प्रमाण पत्र बनवाने लगे। प्रदेश में यह आंकड़ा करीब 35 हजार से अधिक का है।अकेले झुंझुनूं जिले में पिछले 4? महीन में ही 13 हजार से अधिक लोगों? ने जन्म प्रमाण पत्र बनवा लिए। इनमें आधे से ज्यादा 50 वर्ष से अधिक उम्र वाले हैं। इन सभी ने? तहसीलदारों के अनुज्ञा पत्र के आधार पर प्रमाण पत्र बनवाए। इनमें 90' लोग समुदाय विशेष हैं। हालांकि प्रदेश में? एसआईआर प्रक्रिया में 2002 की मतदाता सूची में नाम होने के आधार पर सत्यापन किया जा रहा है। इसलिए जन्म प्रमाण पत्र नहीं लिया जा रहा। लेकिन जिन मतदाताओं के परिजनों के 2002 की सूची में नाम नहीं हैं, उनसे ही मांगा जाएगा।

गोविंदपुरा के इकबाल ने 67 व नवलगढ़ के लियाकत ने 64 वर्ष की उम्र में बनवाया?

चिड़ावा क्षेत्र के गोविंदपुरा गांव के इकबाल पुत्र सदीक का जन्म 1957 में हुआ। 67 वर्ष की उम्र में जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए तहसीलदार से अनुज्ञा पत्र प्राप्त किया। नवलगढ़ के वार्ड 30 के? लियाकत पुत्र यासीन खान का जन्म 1961 में हुआ। 64 वर्ष की उम्र में जन्म प्रमाण? पत्र के लिए तहसीलदार के समक्ष शपथ पत्र पेश किया। चिड़ावा क्षेत्र के गिडानिया गांव के नजरू पुत्र गफ्फूर खान का जन्म 1963 में हुआ। 62 वर्ष की उम्र में जन्म प्रमाण पत्र बनवाने तहसीलदार से अनुज्ञा पत्र प्राप्त किया। उदयपुरवाटी, नवलगढ़-झुंझुनूं में सर्वाधिक प्रमाण पत्र बने एसआईआर में नाम कटने के डर का सबसे ज्यादा असर ग्रामीण क्षेत्र में नजर आ रहा है। जिले की उदयपुरवाटी, नवलगढ़ और खेतड़ी पंचायत समिति क्षेत्र में ज्यादा बनवाए गए। जुलाई से अक्टूबर के बीच उदयपुरवाटी व नवलगढ़ में 1026-1026, खेतड़ी में 1010 जन्म प्रमाण पत्र बनवाए। वहीं शहरी क्षेत्र में झुंझुनूं व नवलगढ़ में सर्वाधिक बनवाए। यहां क्रमशः 1891 व 1537 जन्म प्रमाण पत्र बनवाए गए।

'शत प्रतिशत जन्म व मृत्यु का पंजीयन ऑनलाइन है। एक वर्ष से अधिक उम्र के बाद जन्म प्रमाण पत्र तहसीलदार के अनुज्ञा पत्र से जारी किए जाते हैं। जुलाई के बाद अनुज्ञा पत्र से जन्म प्रमाण पत्र बनवाने वालों में? अप्रत्याशित इजाफा हुआ है।'

- पूनम कटेवा, सहा. निदेशक, सांख्यिकी विभाग?

भजन सम्राट चुन्नीलाल पन्नू का दुखद निधन, कला एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर

बीकानेर के जाने-माने भजन गायक ने 28 नवंबर 2025 को ली अंतिम सांस; कांग्रेस नेता बाबूलाल मेघवाल ने व्यक्त की संवेदना

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर के जाने-माने भजन सम्राट और लोकप्रिय भजन गायक कलाकार चुन्नीलाल पन्नू का शुक्रवार, 28 नवंबर 2025 को स्वर्गवास हो गया। वे लोकप्रिय मित्र हनुमान पन्नू के पूज्य पिताजी थे। उनके निधन की खबर से बीकानेर के कला, संगीत और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर छा गई है। कांग्रेस और मेघवाल समाज के कई नेताओं ने चुन्नीलाल पन्नू के

निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। कांग्रेस नेता बाबूलाल मेघवाल सहित उनके साथियों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। विनम्र श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए बाबूलाल मेघवाल ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने कहा, 'पुण्य आत्मा को ईश्वर अपने चरणों में स्थान दें और हनुमान पन्नू तथा पूरे परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।' भजन सम्राट चुन्नीलाल पन्नू को उनकी मधुर आवाज और भजनों के माध्यम से समाज में दिए गए योगदान के लिए याद किया जाएगा।

सांसद सुभाष बराला ने कार्यकर्ताओं संग गांव कन्हड़ी में सुनी प्रधानमंत्री मोदी की 'मन की बात'

कार्यक्रम में सांसद बराला ने स्वदेशी अपनाने का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को टोहाना विधानसभा क्षेत्र के गांव कन्हड़ी के बूथ नंबर 154 पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और ग्रामीण नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन-जन को प्रेरणा देने वाले कार्यक्रम मन की बात को सुना। बूथ स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में भारी उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं तथा ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि नए भारत के निर्माण का जन आंदोलन है। प्रधानमंत्री जी ने इसमें देश की उन्नति, समाज की भागीदारी, युवाओं की भूमिका, पर्यावरण संरक्षण, लोक संस्कृति एवं आत्मनिर्भर भारत से जुड़े बेहतरीन विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संदेश देश की जनता को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। सांसद बराला ने कहा कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की उत्सुकता, समर्पण, समय की पाबंदी और सक्रिय भागीदारी यह प्रमाणित करती है कि भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक शक्ति गांवों की मिट्टी से ही उपजी है। उन्होंने कहा कि आज लोगों का भाजपा की नीतियों पर विश्वास और प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व पर भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा का बूथ ही पार्टी की बुनियाद है, और बूथ का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा का सशक्त प्रतिनिधि है। सांसद ने कार्यकर्ताओं को बूथ को और अधिक मजबूत बनाने, घर-घर पहुंचकर सरकारी योजनाओं की जानकारी देने और समाज के हर वर्ग को जोड़ने का आह्वान किया। इसके साथ ही सांसद बराला ने ग्रामीणों को स्वदेशी अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है, और यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सांसद ने स्वयं कार्यकर्ताओं के घरों पर स्वदेशी अपनाएं स्टीकर लगाकर जागरूकता अभियान की शुरुआत की और अपील की कि छोटे दुकानदारों, कारीगरों, किसानों और स्थानीय उद्यमियों का समर्थन करके हम विकसित राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का सपना तभी साकार होगा जब हर नागरिक अपनी भूमिका समझे और समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाए। सांसद ने युवाओं से अपील की कि वे शिक्षा, खेल, पर्यावरण, स्वच्छता और तकनीक जैसे क्षेत्रों में सक्रिय योगदान देकर अपना भविष्य और राष्ट्र का भविष्य मजबूत करें। कार्यक्रम में रमन मड़िया, दलजीत नैन, कृष्ण नैन, रामेहर नैन, अमरजीत नैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहें।

'वोट चोरी के खिलाफ' दिल्ली रैली की तैयारी, नवनियुक्त शहर अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल की पहली महत्वपूर्ण बैठक 2 दिसंबर को

बीकानेर शहर कांग्रेस कार्यालय में मंगलवार दोपहर 3:30 बजे होगी बैठक, बी.डी. कल्ला और शिमला नायक भी रहेंगे मौजूद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा आगामी 14 दिसंबर 2025 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली 'वोट चोरी के खिलाफ' विशाल रैली की तैयारियों को लेकर बीकानेर शहर कांग्रेस में हलचल तेज हो गई है। नव-नियुक्त शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री मदन गोपाल मेघवाल के नेतृत्व में यह पहली आधिकारिक और अति आवश्यक बैठक मंगलवार, 2 दिसंबर 2025 को बुलाई गई है। यह बैठक दोपहर 3 बजकर 30 मिनट पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, कोठारी हॉस्पिटल रोड, बीकानेर में आयोजित होगी। यह बैठक इसलिए भी खास है क्योंकि यह नए शहर अध्यक्ष बनने के बाद श्री मदन गोपाल मेघवाल की अध्यक्षता में बीकानेर शहर की पहली संगठनात्मक बैठक होगी। बैठक में आगामी रैली में बीकानेर से अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने की रणनीति पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार रखी गई इस बैठक में जिले की प्रभारी शिमला नायक (विधायक अनूपगढ़), वरिष्ठ नेता बी डी कल्ला और यशपाल गहलोत सहित जिले के सभी प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता आवश्यक रूप से शामिल होंगे। यूथ कांग्रेस जिला महासचिव भीखाराम मेघवाल द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, प्रदेश पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, महिला कांग्रेस, सेवादल, इंटक, एनएसयूआई के पदाधिकारी, सभी विभागों के अध्यक्ष और निवर्तमान पार्षद/पार्षद प्रत्याशी सहित कांग्रेस विचारधारा से जुड़े सभी संगठनों के कार्यकर्ता एवं कांग्रेस जन इस महत्वपूर्ण अवसर पर सहभागिता करेंगे, ताकि 14 दिसंबर की रैली को सफल बनाया जा सकें।

आचार्य नटवरलाल जोशी स्मृति व्याख्यान, सम्मान व ग्रन्थ लोकार्पण समारोह का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

आचार्य नटवरलाल जोशी की जयंती के अवसर पर आचार्य स्मृति ग्रंथ लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन पोद्दार प्रबन्धन संस्थान जयपुर व शंकराचार्य अभिनव शिक्षण संस्था जयपुर के तत्वाधान में आयोजित हुआ। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के कुलपति प्रोफेसर श्रीनिवास वरखेडी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में कुलपति वरखेडी को रजत श्रीफल, श्रीमाला, उत्तरीय, साहित्य स्वर्ण- रजत मुद्रा , प्रशस्ति, सम्मान पत्र, स्मृति चिह्न, सम्मान राशि 51 हजार रुपए प्रदान कर राष्ट्रीय वररूचि सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर के कुलपति प्रोफेसर अनिल राय ने भारतीय कुटुंब परंपरा पर अपना विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि संस्कार निर्माण में कुटुंब महत्वपूर्ण योगदान देता है। संस्कार ही व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। राष्ट्र समाज से बनता है, समाज व्यक्तियों से बनता है और व्यक्ति चरित्र से सिद्ध होता है। चरित्र निर्माण में कुटुंब परंपरा, परिवार परंपरा अपना महत्वपूर्ण योगदान देती है।आचार्य श्री ने वैदिक साहित्य की पठन-पाठन व संकलन की परंपरा को पुनर्जीवित करने के लिए अनवरत प्रयास किए गए। कार्यक्रम में प्रो. वेदप्रकाश शास्त्री निदेशक राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, कैलाश चतुर्वेदी, पूर्व निदेशक -सं. शिक्षा , डॉ. सुभाष शर्मा , निदेशक - राजनीति शास्त्र विभाग , शशिकान्त जोशी, संपादक- शेखावाटी सन्मार्ग, अपूर्व जोशी, वित्तीय सलाहकार- राजस्थान विधानसभा, प्रो. अनुराग शर्मा, निदेशक- आरए पोद्दार प्रबन्धन संस्थान जयपुर ,पद्मश्री लक्ष्मण सिंह , लापोड़िया मॉडल, नरेन्द्र

स्वामी, दादू द्वाराचार्य पिपराली, पद्मश्री सुण्डाराम कृषि वैज्ञानिक, पद्मश्री रामकिशोर बगरू प्रिण्ट , केशरी शर्मा अध्यक्ष -राजस्थान ब्राह्मण सभा , सुरेश मिश्र अध्यक्ष राजस्थान गौड ब्राह्मण महासभा, केशव शर्मा , वरिष्ठ प्रचारक आरएसएस ,प्रो. रमाकान्त पांडेय, निदेशक जयपुर परिसर सीएसयू डॉ. राजेश शर्मा, निदेशक-राजनीति शास्त्र विभाग ,प्रो. वर्तिका , निदेशक- कनोडिया विधिं संस्थान , अश्विनी पारीक, स्टेट हेड-ईटीवी ,पूर्व महापौर पंकज जोशी , प्रतीक श्रीवास्तव बॉस कंपनी जयपुर प्रो. वाईएस रमेश , संस्कृत सम्भाषण आग्रही, डॉक्टर सुनील शर्मा भारतीय प्रशासनिक सेवा पूर्व निदेशक जनसंपर्क निदेशालय, डॉ बृजभूषण शर्मा वरिष्ठ अधिकारी राजस्थान लेखा सेवा , संस्कृत माहाविद्यालय सालासर के पूर्व प्राचार्य भंवर लाल शर्मा , राजस्थानी के प्रसिद्ध लेखक कृष्ण गोपाल शर्मा के सुपुत्र अमित शर्मा, डॉ. सौम्या पण्डित - ब्लॉक सीएमएचओ, सांगरनेर डॉ. दिलीप कस्वां - ब्लॉक सीएमएचओ, लक्ष्मणगढ़ , डॉ. राजेश शर्मा , ओमप्रकाश, अरुण नहरिया व्यवसायी गिरधारी शर्मा तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर आशीष कुमार जोशी ने किया।

मां शाकंभरी सकराय धाम की विशाल चुनरी यात्रा की तैयारी शुरू

शाकंभरी सकरायधाम धाम की विशाल चुनरी यात्रा में देश-विदेश से लेते हैं श्रद्धालु भाग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । कस्बे में राजकीय उच्च माध्यमिक खेल मैदान के निकट गणेश जी मंदिर ,कुमावत धर्मशाला में रविवार को महिलाओं ने मां शाकंभरी की चुनरी के बूटी लगाने का कार्य शुरू किया। जानकारी के अनुसार हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शाकंभरी माता का प्राकट्य दिवस पर विशाल चुनरी यात्रा निकाली जाएगी। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान के निकट कुमावत धर्मशाला में महिलाओं और पुरुषों ने मंगल गीत गाकर चुनरियों में बूटी लगाने का कार्य शुरू किया। 3 जनवरी को विशाल चुनरी यात्रा जमात में स्थित गणपति गार्डन से निकाली जाएगी जो कस्बे के मुख्य मार्ग , शाकंभरी गेट से होते हुए पैदल शाकंभरी तक जाएंगे। मूलचंद सैनी ने बताया की चुनरी में बूटी लगाने के कार्य को लेकर घर-घर चुनरिया वितरित की जाएगी। इस विशाल चुनरी यात्रा में दूर-दूर से हजारों की संख्या में महिलाएं व पुरुष शामिल होंगे इस दौरान आशा अग्रवाल, संगीता शर्मा, हेपी शर्मा, कंचन, अंजू, संतोष, संजू, बिंदू, कमला, सुनिता, आशा कंवर, सुजाता विश्वास, हंसा शाह, मीनू खेराड़ी, मूलचंद सैनी, सुनील सैनी, सज्जन चेजारा आदि थे।

पर्यावरण संघर्ष समिति का धरना 136वें दिन भी जारी रहा

खेजड़ला रोही नोखा दईया के धरने को आज 501वां दिन है

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । धरने पर बैठे पर्यावरण प्रेमी मिलन गहलोत ने कहा कि वर्तमान में पर्यावरणीय होने वाले नुकसान को रोकने के लिए सोलर नीति की समीक्षा होनी चाहिए,प्राणवायु देने वाली खेजड़ी की कटाई तुरन्त रोकनी चाहिए ह्न गहलोत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी के बावजूद असंवेदनशील केन्द्र सरकार ने मानव मूल्यों की अनदेखी करते हुए दुषित पर्यावरण की रोकथाम के लिए विशेषज्ञों की कमेटी गठित नहीं की है। रविवार को धरने पर बैठे धरनार्थियों में पर्यावरणविद सज्जन कुमार बेनीवाल, रामगोपाल बिशनोई, अर्जुनराम कूकणा,हरिराम खीचड़, मिलन गहलोत, शिवदान मेघवाल, परताराम चौधरी, ताहिर खान, शरीफ समेजा, रामसिंह राहड़, रामप्रताप वर्मा, कॉमरेड मूलचन्द खत्री, रामदेव मेघवाल,गंगाबिशन सियाग, बुधराम सिगड़,सुभाष बिशनोई, श्यामसुन्दर पाणेचा, एड.सुखराम गोदारा,पूनमराम रिख, मालाराम सुथार, रामकिशन मेघवाल, अभिषेक बेनीवाल, स्वरूपसिंह राठौड़, रामाराम बिशनोई, राजाराम खीचड़,मिलन गहतोत, पद्म प्रेमरतन जोशी, श्रवण कासनिया, महेन्द्र भादू, जयप्रकाश मेघवाल व माँगीलाल मेघवाल आदि मौजूद रहे।

बाबा शिव स्वरूप गौशाला नाघोडी की मासिक बैठक का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नाघोडी, राजस्थान - बाबा शिव स्वरूप गौशाला नाघोडी के अध्यक्ष वीरेंद्र गुरुजी की अध्यक्षता में मासिक मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मीटिंग में गौशाला संवर्धन के साथ-साथ आगामी 25 दिसंबर को होने वाले वार्षिक उत्सव की तैयारीयो पर चर्चा हुई। इस अवसर पर गौशाला कमेटी ने भामाशाहों का साफा, दुपट्टा व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। शीशराम यादव अध्यक्ष ग्राम विकास कमेटी जोनायचा खुर्द ने रु 51000 और एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी माधोसिंहपुरा ने रु 21000 का दान दिया। इस मीटिंग में गौशाला उपाध्यक्ष सूबेदार जसवंत, व्यवस्थापक ओमप्रकाश पंच, सचिव वीरेंद्र घीलोठ, कोषाध्यक्ष रविकांत शर्मा, पूर्व अध्यक्ष दलीप मुनीम, मास्टर नित्यानंद, रामनिवास गुरुजी बिचपुरी, चोखाराम, वेद प्रकाश थानेदार बिचपुरी, रामहेर साहब घीलोठ, रघुवीर बोहरा नयागांव, जगदीश बोहरा सासेड़ी, भूपसिंह जोनायचा, हरपाल जागीरदार, तस्वीर, लीलाराम फौलादपुर, संजय यादव पत्थरावाली ढाणी, हरवीर यादव, हंसराज, डॉ सुबेसिंह, अनूप यादव, ताराचंद, रूपेश सिलारपुर ऋषि सैनी रामनिवास सैनी माधोसिंहपुरा एवं अनेकों गणमान्य लोग मौजूद रहें।

जय प्रकाश मेघवाल बने राजस्थान मेघवाल समाज बीकानेर तहसील अध्यक्ष

जुझारू और समर्पित श्री मेघवाल को मिली संगठनात्मक कमान; जिला अध्यक्ष ने 'शिक्षित समाज' के सपने को साकार करने का दिया निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान (रजि.), बीकानेर ने अपने सामाजिक कार्यों को और अधिक गति प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक नियुक्ति की है। संस्थान ने समाज सेवा के प्रति समर्पित और जुझारूपन रखने वाले जय प्रकाश मेघवाल को बीकानेर तहसील का नया अध्यक्ष मनोनीत किया है।संस्थान के प्रदेश/जिला संगठन द्वारा जारी आधिकारिक नियुक्ति पत्र के अनुसार, जय प्रकाश मेघवाल, पुत्र अमर चंद मेघवाल, को उनकी कर्मठता और सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पण को देखते हुए तहसील अध्यक्ष (बीकानेर) के पद पर यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।इस अवसर पर, राजस्थान मेघवाल समाज संस्थान के जिला अध्यक्ष त्रिलोक चंद जयपाल ने नवनियुक्त तहसील अध्यक्ष जय प्रकाश मेघवाल को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। जिला अध्यक्ष जयपाल ने उन्हें विशेष रूप से निर्देश दिया कि वे अपने समय, श्रम और मनोयोग का सदुपयोग करते हुए अपने कार्यक्षेत्र में 'अच्छे और शिक्षित समाज के सपने को पूरा करने' हेतु घर-घर तक पहुंचें। उन्होंने जय प्रकाश मेघवाल से संस्थान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और समाज हित के इस पुनीत कार्य को पूरी निष्ठा के साथ करने की आशा व्यक्त की। संस्थान के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने श्री जय प्रकाश मेघवाल को इस नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी है और विश्वास व्यक्त किया है कि वे समाज के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

भारती एजुकेशन एंड डेवलपमेंट सोसायटी ने बनमंदौरी में आयोजित किया कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । भारती एजुकेशन एंड डेवलपमेंट सोसायटी द्वारा संचालित भारती पुस्तकालय एवं कंप्यूटर सेंटर के विस्तारित भवन का भव्य उद्घाटन समारोह रविवार को भारती भवन परिसर, बनमंदौरी में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने विस्तारित भवन का शुभारंभ किया और संस्थान द्वारा शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि ग्रामीण युवाओं को तकनीकी ज्ञान, रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण और पुस्तकालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाना समाज निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार लोक कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शिक्षा, रोजगार, डिजिटल स्किल्स और ग्रामीण विकास पर विशेष रूप से कार्य कर रही है। हरियाणा सरकार की जन-हितैषी नीतियों के कारण गांव-गांव में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार हो रहा है और युवाओं को अवसरों के नए आयाम प्राप्त हो रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारती एजुकेशन एंड डेवलपमेंट सोसायटी, दिल्ली के अध्यक्ष रिटायर्ड आईपीएस डॉ. दलवीर भारती ने की। उन्होंने बताया कि संस्था का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च स्तरीय शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध करवाना है, ताकि प्रतिभाशाली युवा संसाधनों के अभाव में पीछे न रह

जाएं। उन्होंने समाज से शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की अपील भी की। संस्था के सचिव अनिल कुमार भार्गव एवं सह सचिव पंकज कुमार ने उपस्थित जनसमूह का धन्यवाद करते हुए आश्वस्त किया कि पुस्तकालय एवं कंप्यूटर सेंटर को भविष्य में और अधिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। कार्यक्रम में हरकोफेड चेयरमैन वेद फुल्ला, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, जिला परिषद चेयरमैन सुमन खीचड़, पूर्व चेयरमैन सतबीर सिंह वर्मा, पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने दिए शिविर में भिजवाने के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पलसाना ने परिक्षेत्र के समस्त संस्था प्रधानों को स्काउट गाइड द्वितीय तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर में छात्र-छात्राओं को भिजवाने के निर्देश दिए। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी शर्मिला आढा ने परिक्षेत्र के संस्था प्रधान एवं संबंधित स्काउट मास्टर एवं गाइड कैप्टन को राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ पलसाना के द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ढाणी काजलान रेलवे स्टेशन ठीकरिया में 4 दिसंबर से आयोजित द्वितीय तृतीय सोपान प्रशिक्षण एवं टोलीनायक व रोवर रेंजर लीडर प्रशिक्षण शिविर में स्काउट गाइड रोवर रेंजर को भिजवाने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने प्रतिनियुक्ति किए गए स्टाफ को निर्धारित समय पर प्रशिक्षण स्थल पर अपनी उपस्थिति देने तथा प्रशिक्षण स्थल राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ढाणी काजलान रेलवे स्टेशन के संस्था प्रधान को पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिक जानकारी के लिए शिविर संचालक एवं सचिव के मोबाइल नंबर 9636481601 पर संपर्क करें। आवासीय प्रशिक्षण शिविर में दक्ष प्रशिक्षकों के द्वारा नियम, प्रतिज्ञा,ध्वज शिष्टाचार, शिविर ज्वाल केंपफायर सिगनलिंग पायनियरिंग, दिशा ज्ञान ,कंपास किम गेम, स्काउटिंग गाइडिंग आंदोलन की जानकारी, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक सहायता, वन विद्या सहित विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अंधी रफ्तार से दौड़ रही बीएमडब्ल्यू ने फुटपाथ पर सो रहे 3 लोगों को कुचल डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमीरों के लिए गरीब आदमी कीड़े मकोड़े की तरह होता है साहबज्जब मर्जी कोई रहीस आदमी अपनी करोड़ों की कार से आता है और फुटपाथ पर सो रहे गरीबों कों रौंदता चला जाता है। ये शब्द उन चश्मदीदों के हैं जिन्होंने बीती रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में बीती रात तेज रफ्तार का कहर देखा है। एंबियंस मॉल के सामने एक बीएमडब्ल्यू कार ने फुटपाथ पर सो रहे तीन लोगों को कुचल दिया जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कार चालक को मौके से ही हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार यह हादसा देर रात करीब 2 बजे वसंत कुंज इलाके में हुआ। घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि कार बेहद तेज रफ्तार से आ रही थी। कार चला रहे शख्स ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सीधे फुटपाथ पर चढ़ा दी। कार की चपेट में आने से फुटपाथ पर सो रहे तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बीएमडब्ल्यू कार के चालक को तुरंत मौके पर ही हिरासत में ले लिया। उससे आगे की पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त कार हिमाचल प्रदेश नंबर पर पंजीकृत है। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस अब मामले की गहनता से जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हादसा किस गति से हुआ और क्या चालक शराब या किसी अन्य नशे के प्रभाव में था।

अचानक दो हिस्सों में बंट गई ट्रेन, झटका लगते ही यात्रियों में मची हलचल

-बिहार में कारीसाथ स्टेशन के पास कपलिंग टूटी, बड़ा हादसा होने से बचा

आरा (एजेंसी)। पटना-आरा-डीडीयू रेल खंड पर शनिवार शाम रेल दुर्घटना होने से बाल-बाल बची, जब दानापुर से बेंगलुरु जा रही बेंगलुरु सिटी स्पेशल ट्रेन अचानक दो हिस्सों में बंट गई। घटना कारीसाथ रेलवे स्टेशन के पास हुई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। तेज रफ्तार दौड़ रही ट्रेन के दो हिस्सों में बंटते ही यात्री दहशत में आ गए। इंजन और आगे के कुछ डिब्बे काफी दूर निकल गए, जबकि पीछे का बड़ा हिस्सा ट्रैक पर ही रुक गया। मीडिया रिपोर्ट में रेल सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ट्रेन आरा स्टेशन से खुलकर बक्सर की ओर तेज रफ्तार में बढ़ रही थी। इसी दौरान कारीसाथ स्टेशन के पास ट्रेन की कपलिंग अचानक टूट गई। कपलिंग टूटने के साथ ही एक झटके में ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। इंजन का हिस्सा आगे की ओर करीब 500 मीटर तक चला गया। हालांकि झटका लगने से तुरंत लोको पायलट को कुछ असहज लगा और उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। घटना के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। अपलाइन पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई, जिसके कारण पटना—डीडीयू रूट पर कई ट्रेनें प्रभावित हुईं। अधिकारियों ने कपलिंग टूटने की वजह की जांच शुरू कर दी और बचाव एवं मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर किया गया। काफी प्रयास के बाद इंजन को पीछे लाकर दूसरे हिस्से से जोड़ा गया। रेलवे सूत्रों का कहना है कि समय रहते ट्रेन रुक जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। यदि ट्रेन और तेज गति में होती तो घटना गंभीर रूप ले सकती थी। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अप लाइन पर परिचालन बहाल कर दिया गया। इस घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी जांचों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीआईएसएफ जवान ने नाबालिग की गोली मारकर की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में एक सीआईएसएफ के हेड कांस्टेबल ने नाबालिग लड़के की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उसके पास से पिस्टल भी बरामद की है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि 29 नवंबर को एक शख्स से जानकारी मिली कि कम्युनिटी सेंटर डीडीए मार्केट, एमएस पार्क के पास एक बच्चे को गोली मार दी गई है। जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। क्राइम टीम को बुलाया गया। जांच में पता चला कि मृतक 17 साल का नाबालिग है, जो न्यू मॉडर्न शाहदरा का रहने वाला था। नाबालिग लड़के को कम्युनिटी सेंटर के सामने हो रही शादी के दौरान गोली लगी थी। इस मामले में आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया है, जो सीआईएसएफ में हेड कांस्टेबल है और अभी कानपुर में तैनात है। उसके पास से एक पिस्टल भी बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा लगता है कि लड़के और आरोपी के बीच कहासुनी हुई थी, जिसके बाद आरोपी ने उसे गोली मार दी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

कट्टरपंथियों की खतरनाक साजिश को बेनकाब करेंगी 12 पीड़ित युवतियां

-दिल्ली में लव जिहाद की शिकार लड़कियां डिटेल में बयां करेंगी अपनी कहानियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत समेत कई देश कट्टरपंथ की साजिश का शिकार हैं। डेमोग्राफिक्स को बदलने की साजिशें रची जा रही है। चिंता की बात यह है कि इस मामले में डॉक्टर और इंजीनियर जैसे बहुत पढ़े-लिखे लोग भी इस साजिश में शामिल हैं। इसका उदाहरण लाल किले के पास हुआ आतंकवादी हमला है। इन सबको देखते हुए देश में पहली बार ऐसा इवेंट हो रहा है जैसा पहले कभी नहीं हुआ। आज कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में लव जिहाद की शिकार लड़कियां अपनी कहानियां डिटेल में बताएंगी और इसके तरीकों का खुलासा करेंगी। इस खास इवेंट में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और विश्व हिंदू परिषद के स्टेट प्रेसिडेंट कपिल खन्ना खास तौर पर शामिल होंगे। उनके साथ लव जिहाद की शिकार लड़कियों को बचाने वाले लोग भी होंगे। विहिप दिल्ली के मंत्री सुरेंद्र गुप्ता ने बताया कि 12 लड़कियां, खासकर केरल की, जो लव जिहाद की शिकार हुई हैं, अपनी कहानियां बताएंगी, ताकि हर कोई इस साजिश के बारे में जान सके और समय रहते अपनी बेटियों को बचा सके। दिल्ली एनसीआर की चार और पीड़ित भी इस इवेंट में मौजूद रहेंगी। केरल भारत में लव जिहाद का सेंटर है, जहां हजारों लड़कियों को बहला-फुसलाकर इस्लाम कबूल करवाया गया है और फिर उन्हें इस्लामिक देशों में ट्रैफिकिंग के लिए भेज दिया गया।

नगर परिषद टोहाना शहर में बाजारों व मुख्य मार्गों पर चारों तरफ हो रहे अतिक्रमण पर नहीं दे रही ध्यान -सूत्र

नगर परिषद के ईओ समेत अधिकांश अधिकारी से लेकर चेयरमैन तक केवल टैडरों में कमीशनखोरी व हिस्सेदारी को लेकर मस्त

मुख्यमंत्री के विशेष विजिलेंस विभाग से हो हर टैंडर प्रकिया की जांच

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । नगर परिषद टोहाना में हर प्रकार की व्यवस्था का बेड़ा पूरी तरह से गर्क हो चुका है।ईओ , सचिव सहित एमई,जेई से लेकर चेयरमैन तक सभी कमिशनखोरी व टैडरों में हिस्सेदारी को लेकर चिंतित रहते हैं, वर्तमान में नगर परिषद टोहाना में हर तरफ़ अंधेर नगरी चौपट चेयरमेन व अन्य अधिकारियों के कार्यकलापों की विशेष विजिलेंस टीम से जांच होनी चाहिए तथा दूध का दूध और पानी का पानी जैसा स्पष्ट पारदर्शिता पूर्ण जांच कर जनता के साथ न्याय होना चाहिए।नगर परिषद टोहाना के चेयरमैन के तो व्यवहार की भी जांच होनी चाहिए तथा जनता से मिलने व जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सप्ताह में दिन व समय निश्चित होने चाहिए। नगरपरिषद टोहाना में एक सहायता कक्ष भी स्थापित हो जिससे नगर परिषद में गये व्यक्ति को अपने काम कराने में आसानी हो।अब तक आम आदमी अपने किसी भी काम के लिए नगर परिषद टोहाना के कार्यालय में जाता है तो पता चलता है कि सम्बंधित अधिकारी या कर्मचारी ही नदारद है, इसके बाद

ज़बाब मिलता है कल आना। अगले दिन फिर वही रटे रटाये जबाब,कुल मिलाकर स्थिति काफी विकट बन चुकी है।ना चैयरमेन की कोई व्यवस्था और ना ही अधिकारियों व उनके अधिनस्थ कर्मचारियों की। नगर परिषद टोहाना के चैयरमेन को तो राजनीति से ही फ़ुर्सत नहीं है उन्हें जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं है, मुख्य सचिव हरियाणा व मुख्य प्रशासक नगर परिषद फतेहाबाद व डीसी फतेहाबाद नगर परिषद टोहाना के चैयरमेन व ईओ व अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी व कार्यकलापों को सूचिबद्ध करे ताकि आम जनता को नगर परिषद के कार्यों के निपटान में आसानी हो। शहर में स्ट्रीट लाइटों की बदहाली से लेकर शहर में अतिक्रमण, कचरा उठान में सौ फिसदी लापरवाही से शहर का बुरा हाल है। चैयरमेन से लेकर एमई इत्यादि तक के सीट पर बैठने का कोई समय निर्धारित नहीं है। मुख्यमंत्री महोदय व नगर निकाय मंत्री महोदय से मांग है कि नगर परिषद टोहाना के लाईट व्यवस्था से लेकर सफाई व्यवस्था तक के सभी टैडरो में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से चेयरमैन या इनके किसी खास आदमी को टैंडर मिलने व कमीशनखोरी की विशेष विजिलेंस टीम से जांच होनी चाहिए, अन्यथा शहर की किसी सामाजिक संस्था या सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर करनी पड़ सकती है।

छोटे से गांव गुर्जरखेड़ा की दीपमाला की प्रेरणा देने वाली कहानी

एमपी बिरला सीएसआर से संवारा अपना जीवन, औरों के लिए बनी प्रेरणा स्रोत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चित्तौड़गढ़।

बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड सिर्फ औद्योगिक क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि आसपास के ग्रामीण इलाकों में सामाजिक और आर्थिक विकास की एक मजबूत धुरी बन चुका है। सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत कंपनी द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों ने क्षेत्र की महिलाओं, किसानों और जरूरतमंदों के जीवन में नई ऊर्जा और आत्मनिर्भरता का संचार किया है। एमपी बिरला समूह के सक्षम कार्यक्रम के तहत प्लांट परिसर से 16 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों में महिलाओं को प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और आर्थिक सहयोग देकर उनके जीवन और परिवार के भविष्य को मजबूत बनाया जा रहा है। इसी कार्यक्रम की बदौलत कई महिलाएं आज पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपने घर की आय बढ़ाने और समाज में सम्मान अर्जित करने का काम कर रही हैं।

दीपमाला बदलाव की मिसाल

नगरी ग्राम पंचायत के गुर्जर खेड़ा की दीपमाला इसका एक चमकता हुआ उदाहरण हैं। साल 2021-22 में वे एमपी बिरला के सक्षम कार्यक्रम से जुड़ीं। पहले सामान्य ब्यूटिशियन का कोर्स किया। फिर एडवांस ट्रेनिंग ली। परीक्षा में प्रथम स्थान हासिल किया और एमपी बिरला की ओर से प्रमाणपत्र के साथ 10 हजार रुपए कीमत का ब्यूटी पार्लर किट प्राप्त किया। आज दीपमाला हर महीने 20 से 25 हजार रुपए की कमाई कर रहीं हैं और गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुकी हैं।

घर और समाज की चुनौतियों को तोड़कर आगे बढ़ी

दीपमाला बताती हैं कि शुरुआत सबसे कठिन रही। परिवार को मनाना और समाज के तानों को नजरअंदाज करना बड़ा चैलेंज था। गांववालों ने तंज कसते हुए कहा, यहां पार्लर कौन करवाएगा? लेकिन एमपी बिरला की महिला सशक्तिकरण टीम का सहयोग और दीपमाला की हिम्मत ने हालात बदल दिए। बच्चों और घर के काम के बीच वक्त निकालकर उन्होंने प्रशिक्षण पूरा किया और गांव में ही अपनी छोटी सी दुकान खोल ली। शुरू में मज़ाक उड़ाने वाले लोग आज उनके हुनर के मुरीद हैं। सिर्फ गुर्जर खेड़ा ही नहीं, आसपास के कई गांवों की महिलाएं आज दीपमाला के पार्लर पर भरोसे के साथ पहुंचती हैं।

दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं दीपमाला

आज दीपमाला न केवल खुद कमाई कर रही हैं, बल्कि अपनी तरह की जरूरतमंद महिलाओं को भी ब्यूटीशियन ट्रेनिंग देकर आगे बढ़ा रही हैं। इससे कई युवतियां और महिलाएं प्रभावित होकर एमपी बिरला के सीएसआर कार्यक्रम से जुड़ रही हैं और विभिन्न कोर्सों में निःशुल्क प्रशिक्षण ले रही हैं। समाज में पैसा, सम्मान और आत्मविश्वास पाने के बाद दीपमाला अब प्रेरणा पथ बन चुकी हैं और एमपी बिरला का महिला उन्नयन अभियान गांव-गांव तक असर दिखा रहा है।

राजनीति से संन्यास लेकर बोले अवध ओझा: अब जो मन में आएगा, वही बोलूंगा...

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर मोटिवेशनल स्पीकर और शिक्षक अवध ओझा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में मात्र एक पारी खेली और उसके तुरंत बाद राजनीति से संन्यास ले लिया। अब वे फिर से अपनी पुरानी आज़ादी में लौट आए हैं और इसे लेकर बेहद खुश नज़र आ रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन्होंने खुलकर बताया कि राजनीतिक दल में रहते हुए उन्हें जो 'बोलने की बंदिश' लगी थी, उससे मुक्ति मिलने का अहसास है कि अब वे बिना किसी दबाव के जो मन में आएगा, वही बोलेंगे।

अवध ओझा ने साफ कहा, भैया मैं राजनीति ही नहीं करूंगा। बहुत दूर रहूंगा, बहुत खुश हूं। पहली बात तो बोलना बंद हो गया था। पार्टी लाइन के बाहर कुछ नहीं बोल सकते। ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकतेज हम बोलेंगे नहीं तो मर जाएंगे। अब मैं इतना अच्छा महसूस कर रहा हूं। अब कोई फोन करके नहीं कहेगा कि ये बोलो, वो मत बोलो। अब तो बस वही बोलेंगे जो दिल कहेगा।

उन्होंने उस वायरल इंटरव्यू का भी ज़िक्र

किया जिसमें आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बीच में दखल देकर इंटरव्यू रुकवा दिया था। मजबूरन ओझा को कैमरे पर कहना पड़ा था कि पार्टी लाइन वही लोग तय करेंगे, मैं उसी के मुताबिक बोल सकता हूं। उस घटना को याद करते हुए ओझा ने हंसते हुए कहा, अच्छा बताओ वो इंटरव्यू कितना अच्छा चल रहा था। बीच में रोक दिया। भगवान बचाए राजनीति से दादा !

भाजपा में जाने की अटकलों पर भी उन्होंने पूरी तरह विराम लगा दिया। स्पष्ट शब्दों में बोले, 'न 'मैं कहीं टिकट नहीं मांगूंगा। राजनीति से पूरी तरह दूर रहूंगा। चुनावी खर्च के सवाल पर मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मेरा खुद का एक रुपया नहीं लगा। सारे दोस्तों, मित्रों और शुभचिंतकों ने दिया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी जॉइन की थी। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की खाली हुई पटपड़गंज सीट से उन्होंने चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। हार के बाद से ही वे पार्टी के किसी कार्यक्रम में नज़र नहीं आए और धीरे-धीरे कोचिंग क्लासेस में वापस लौट गए। पिछले दिनों उन्होंने औपचारिक रूप से राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि महज़ चुनाव लड़ने की उत्कंठा और जिज्ञासा की वजह से वे राजनीति में आए थे, लेकिन एक बार मैदान में उतरने के बाद अहसास हुआ कि यह उनका क्षेत्र नहीं है।अब अवध ओझा फिर से अपनी कोचिंग और मोटिवेशनल स्पीच में पूरी तरह व्यस्त हो चुके हैं। उनके प्रशंसक भी उनकी इस वापसी से खुश हैं, क्योंकि एक बार फिर वही बेबाक, बिंदास और बिना किसी लाइन के बोलने वाला अवध ओझा लौट आया है।

आज के भारतीय तो अपनी मातृभाषा के शब्द भी नहीं जानते: मोहन भागवत

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मातृभाषाओं के उपयोग को लेकर गंभीर चिंता जताई है। नागपुर में एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर बोलते हुए भागवत ने कहा, कि आज बहुत से भारतीय अपनी मातृभाषा के शब्द भी नहीं जानते हैं और अंग्रेजी के मिश्रण से संवाद करते हैं। उनका कहना है कि इस प्रकार हमारी भाषायी विरासत का क्षय हो रहा है।

यहां भागवत ने कहा, एक समय था जब रोजमर्रा की भाषा में संस्कृत का प्रयोग आम था। अब हाल यह है कि अमेरिका के प्रोफेसर हमें संस्कृत पढ़ाते हैं। उन्होंने मातृभाषा के अभ्यास और ज्ञान पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को अपनी भाषा की समझ होनी चाहिए। भागवत ने उदाहरण देते हुए कहा कि संत ज्ञानेश्वर ने भगवद्गीता को मराठी में प्रचारित किया, जिससे भाषा और संस्कृति की गहराई समझ में आती है। आरएसएस प्रमुख ने अंग्रेजी शब्दों की सीमा पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी भावनाओं और सांस्कृतिक अर्थों की गहराई को पकड़ नहीं पाती। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कल्पवृक्ष के लिए अंग्रेजी में कई शब्द हैं, लेकिन कोई भी इसका वास्तविक अर्थ नहीं बता सकता। उनका कहना है कि विदेशी भाषाएं हमारी संस्कृति की पूर्ण गहराई तक नहीं पहुंच सकतीं। इसी के साथ भागवत ने मातृभाषाओं को सीखने और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन विविधता में एकता की भावना को महत्व देता है, और इसी आधार पर भाषायी चेतना को बढ़ावा देना जरूरी है।

चुनाव आयोग और टीएमसी में टकराव: पश्चिम बंगाल में सियासी जंग का जरिया बना एसआईआर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा चलाया जा रहा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान अब पूरी तरह राजनीतिक जंग का मैदान बन चुका है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर खुलेआम हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि एसआईआर के नाम पर राज्य में लाखों वैध मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं, खासकर सीमावर्ती इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने की आड़ में अल्पसंख्यक और गरीब वोटरों को निशाना बनाया जा रहा है।

टीएमसी का सबसे गंभीर आरोप यह है कि एसआईआर शुरू होने के बाद से अब तक राज्य में 40 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें कई बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) भी शामिल हैं। पार्टी ने शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश

कुमार से मुलाकात कर पांच सवाल पूछे, लेकिन एक का भी जवाब नहीं मिलने का दावा किया। राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा, हम एसआईआर का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि इसके अमानवीय और अव्यवस्थित तरीके का विरोध कर रहे हैं। चुनाव आयोग के हाथ खून से रंगे हैं।

वहीं, चुनाव आयोग ने टीएमसी के सभी आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने साफ कहा कि बीएलओ पर दबाव काम का नहीं, बल्कि स्थानीय टीएमसी कार्यकर्ताओं की धमकियों और दबाव का नतीजा है। आयोग का दावा है कि तृणमूल नहीं चाहती कि मृत, स्थानांतरित, डुप्लीकेट या अवैध (खासकर बांग्लादेशी) मतदाताओं के नाम हटाए जाएं, क्योंकि ये उनके वोट बैंक का हिस्सा हैं। आयोग ने पश्चिम बंगाल के डीजीपी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर को तुरंत पत्र लिखकर सभी बीएलओ की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। हाल ही में सीईओ कार्यालय में सुरक्षा चूक की घटना के बाद आयोग ने कार्यालय को अधिक सुरक्षित जगह पर शिफ्ट करने और मौजूदा भवन की सुरक्षा बढ़ाने को कहा है।

टकराव को और गहरा करने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुब्रत गुप्ता (1990 बैच, पश्चिम बंगाल कैडर) को 'स्पेशल रोल ऑब्ज़र्वर' नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 12 अन्य आईएएस अधिकारियों को 'इलेक्टोरल रोल ऑब्ज़र्वर' बनाया गया है। ये अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र (विदेशी) व्यक्ति सूची में शामिल न हो।

चुनाव आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि स्लम, ऊंची इमारतों और कॉलोनियों में भी मतदान केंद्र बनाए जाएं, जैसा पूरे देश में होता है। टीएमसी की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए आयोग ने चेतावनी दी है कि निर्देशों का पालन न करने पर कठोर कार्रवाई होगी। सीमावर्ती जिलों से लगातार वीडियो और तसवीरें वायरल हो रही हैं, जिनमें लोग कथित तौर पर भारत-बांग्लादेश सीमा पार करते दिख रहे हैं। टीएमसी इसे ÷वोट काटने की साजिश÷ बता रही है, जबकि ईसी का कहना है कि यह घुसपैठिए वापस अपने देश जा रहे हैं, क्योंकि अब उनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं रहेगा। फिलहाल दोनों पक्ष अपनी-अपनी जगह अड़े हुए हैं। एक तरफ ममता बनर्जी और टीएमसी सड़क से संसद तक आंदोलन की धमकी दे रहे हैं, तो दूसरी तरफ चुनाव आयोग संविधान के अनुच्छेद 326 का हवाला देकर साफ कर रहा है - वोट का अधिकार सिर्फ भारतीय नागरिक को है, किसी विदेशी को नहीं। आने वाले दिनों में यह टकराव और भयंकर रूप ले सकता है।

संक्षिप्त समाचार

गिनी बिसाऊ में इलिडियो विएरा नए प्रधानमंत्री

बिसाऊ, एजेंसी। पश्चिमी अफ्रीकी देश- गिनी-बिसाऊ में हालिया चुनाव के कुछ दिनों के भीतर ही तख्तापलट के बाद सेना ने शुक्रवार को इलिडियो विएरा ते को नया प्रधानमंत्री नियुक्त नियुक्त किया है। विएरा ते हटाए गए राष्ट्रपति उमारो सिस्सोको एम्बालो के करीबी सहयोगी हैं। उन्होंने रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव के दौरान उनके कैंपेन डायरेक्टर के तौर पर काम किया था। देश के नए मिलिट्री लीडर जनरल होर्ता इंटा-आ ने एक आदेश कर उन्हें प्रधानमंत्री नियुक्त करने की घोषणा की है। गौरतलब है कि, बुधवार को राष्ट्रीय चुनावों के तीन दिन बाद सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया था। अपदस्थ राष्ट्रपति उमारो सिस्सोको एम्बालो पड़ोसी सेनेगल चले गए हैं। इस बीच, विपक्ष ने कहा कि चुनाव में हार से बचने के लिए एम्बालो ने तख्तापलट की साजिश रची थी। सेना के जरिये कर्फ्यू हटाए जाने के बाद राजधानी बिसाऊ में शांति लौट आई है। लोग और गाड़ियां शहर की सड़कों पर घूम रही हैं। मुख्य स्टॉक एक्सचेंज और बाहरी जिलों के बाजार, बैंक भी फिर से खुल गए हैं। गिनी-बिसाऊ दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक है।

ब्रिटेन में कुल प्रवासन घटकर 2.04 लाख पर पहुंचा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में कुल प्रवासन जून 2025 तक तेजी से घटकर 2,04,000 रह गया है। देश के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (ओएनएस) के अनुसार यह गिरावट मुख्यत: नए अप्रवासियों में कमी और देश छोड़ने वालों की संख्या में हल्की बढ़ोतरी के कारण हुई। जून 2023 में कुल प्रवासन 9.06 लाख के उच्च स्तर पर था। रिपोर्ट में बताया गया कि जून 2025 तक ईयू और यूके दोनों नागरिक समूहों में शुद्ध बाहर जाने वालों की संख्या अधिक रही। इनमें देश छोड़ने वाले अधिकांश ब्रिटिश नागरिक 35 वर्ष से कम आयु के थे।

गूगल ने माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ वापस ली शिकायत

लंदन, एजेंसी। गूगल ने माइक्रोसॉफ्ट के क्लाउड व्यवसाय के खिलाफ दायर अपनी यूरोपीय यूनियन से प्रतिस्पर्धा रोधी शिकायत वापस ले ली है। यह कदम ऐसे समय आया है, जब यूरोपीय आयोग ने हाल ही में क्लाउड सेक्टर में माइक्रोसॉफ्ट की जांच शुरू की है। गूगल ने पिछले साल आरोप लगाया था कि माइक्रोसॉफ्ट अपने एज्यूर प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों को बांधकर प्रतिस्पर्धा घटा रहा है। क्लाउड बाजार में अमेजन 30 फीसदी हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर है, जबकि माइक्रोसॉफ्ट 20 फीसदी और गूगल 13 फीसदी पर है।

अफगान सरकार की ईंधन की खपत कम करने की अपील

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के काबुल में नगर पालिका ने सर्दियों में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए निवासियों से ईंधन की खपत कम करने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि छोटे घरों में चलने वाले स्टोव व चूल्हे इसके प्रमुख स्रोत हैं। शहर में प्रदूषण पिछले साल की तुलना में अधिक दर्ज किया गया है, जिससे लोगों की सेहत पर असर पड़ रहा है। विशेषतौर से सुबह और शाम के समय धुआं व धूल आंखों व सांस लेने में परेशानी पैदा कर रहे हैं।

यूरोप और अमेरिका में बर्ड फ्लू के मामले बढ़े, 3 महीने में 1.6 करोड़ मुर्गियां मारी गईं

बर्लिन, एजेंसी। यूरोप और उत्तरी अमेरिका में बर्ड फ्लू (हाईली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लुएंजा) तेजी से फैल रहा है। जंगली पक्षियों और मुर्गी फार्मों में तेजी से मामले बढ़ रहे हैं। अमेरिका में 18 नवंबर तक 107 जगहों पर बर्ड फ्लू की पुष्टि हो चुकी है। बर्ड फ्लू के कारण सितंबर से अब तक अमेरिका और कनाडा में करीब 1 करोड़ 60 लाख मुर्गियां मारनी पड़ी हैं। सितंबर से नवंबर तक 26 यूरोपीय देशों में जंगली पक्षियों में 1,443 फ्लू के मामले दर्ज किए गए, जो पिछले साल से 4 गुना ज्यादा और 2016 के बाद सबसे अधिक है। जर्मनी में तीन साल में सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। वहीं, फ्रांस ने अक्टूबर में ही पूरे देश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया था।

श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वाह' : राहत कार्यों के लिए कोलंबो पहुंची एनडीआरएफ टीमें, ऑपरेशन सागर बंधु जारी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वाह' तबाही मचा रहा है। शनिवार को यह तूफान तमिलनाडु की तरफ बढ़ रहा है। चेन्नई के दक्षिण में चक्रवात दित्वाह 430 किलोमीटर की दूरी पर है। रविवार सुबह तक इसके उत्तरी तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तटवर्ती इलाकों में पहुंचने की आशंका है। बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में यह चक्रवात बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है।

पाकिस्तान की चाल नाकाम, ऑक्सफोर्ड में बहस से भागकर भारतीयों पर आरोप, खुली पोल

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑक्सफोर्ड में भारत और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों के बीच होने वाली एक बहस रद्द कर दी गई है। इस बहस के रद्द होने का दुनिया के ज्यादातर लोगों को कोई पता नहीं चला। लेकिन झूठे पाकिस्तान को यह कहां बर्दाश्त था। भारत के खिलाफ मिली हर हार को अपनी जीत बनाकर पेश करने वाले पाकिस्तान ने यहाँ पर भी बहस से भागकर इसे जीत बनाने की कोशिश करनी शुरू कर दी। ब्रिटेन स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग ने ट्वीट करके दावा किया कि ऑक्सफोर्ड में होने वाली बहस से भारतीय प्रतिनिधि पीछे हट गए हैं। बाद में भारतीय सुप्रीम कोर्ट के वकील जे साईं दीपक ने पाकिस्तान के इस झूठ का सबूतों के साथ पर्दाफाश कर दिया। पाकिस्तानी उच्चायोग की तरफ से ट्वीट करके कहा गया कि ऑक्सफोर्ट यूनिवर्सिटी में 'भारत की पाकिस्तान नीति एक सुरक्षा नीति के रूप में बेची गई जनप्रिय रणनीति है।' नामक शीर्षक पर बहस होनी थी, लेकिन भारतीय वक्ता अंतिम समय पर इस बहस से पीछे हट गए। पाकिस्तानी उच्चायोग ने इस बहस के लिए भारत की तरफ से जिन वक्ताओं के नाम बताए उनमें पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवाणे, सुब्रमण्यम स्वामी और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट का नाम था। वहीं, पाकिस्तान की तरफ से पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार, ब्रिटेन में पाकिस्तान के

उच्चायुक्त मोहम्मद फैसल और पाकिस्तानी सेना के पूर्व जनरल जुबैर महमूद हयात शामिल थे।

जे साईं दीपक ने खोली पोल : पाकिस्तान के ब्रिटेन स्थित हाईकमीशन द्वारा फैलाए जा रहा यह झूठ जब तक दुनिया तक पहुंचता उससे पहले भी भारतीय सुप्रीम कोर्ट के वकील जे साईं दीपक ने इसकी बखियां उधेड़ दीं। उन्होंने पाकिस्तानी दावों का खंडन सबूतों के साथ किया। उन्होंने कहा ऑक्सफोर्ड द्वारा भेजी गई अपनी भागीदारी की पुष्टि वाली ईमेल को भी साझा करते हुए लिका कि उनके साथ पूर्व सेना प्रमुख नरवाने और स्वामी भी भारतीय पक्ष की तरफ से वक्ता थे। उन्होंने लिखा, 'पाकिस्तानी लोग ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी को भी गड़बड़ कर देते हैं और हमेशा की तरह इस बार भी वह सच बोलने की ताकत नहीं रखते। दीपक ने कहा, 'इस ईमेल के बाद यूनिवर्सिटी की तरफ से बताया गया कि नरवाने और स्वामी इस कार्यक्रम में नहीं आ सकते हैं। उन्होंने मुझसे कोई नए नाम भेजने के लिए कहा। लेकिन जब तक मैं विकल्प भेज पाता उससे पहले ही मुझे बताया गया कि इस बहस के लिए सुहेल सेठ और राज्य सभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी से संपर्क किया गया है और उन्होंने शामिल होना स्वीकार किया है। मुझे लगा की ठीक है मामला खत्म हुआ। लेकिन इसके बाद मुझे बताया गया कि दोनों ने एक दम से नोटिस देने की वजह से इस कार्यक्रम में शामिल होने से इनकार कर दिया है।'

प्रियंका चतुर्वेदी ने भी की पुष्टि : प्रियंका चतुर्वेदी ने भी सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उन्हें जुलाई में ही इसका आमंत्रण मिल गया था लेकिन उसके बाद कोई संपर्क नहीं किया गया। इसलिए मैंने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। लेकिन हाल ही में एक दम उनका फोन आया। इसलिए उन्होंने इनकार कर दिया। दीपक अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि इसके बाद भी अंतिम समय पर मैं लंदन पहुंच कर बहस में शामिल होने के लिए तैयार था। यहां पर उन्होंने मनु खजूरिया और पंडित सतीश शर्मा के साथ मिलकर एक टीम भी तैयार कर ली। लेकिन बहस के तीन घंटे पहले उन्हें बताया गया कि बहस रद्द कर दी गई है क्योंकि पाकिस्तानी दल लंदन पहुंचा ही नहीं है। दीपक ने लिखा, 'इस बात में मैं गुस्सा था, क्योंकि इसमें काफी मेहनत लगी थी।' इतना ही नहीं दीपक ने सबूत के तौर पर इस पूरी बहस के आयोजक मूसा हरराज की कॉल लॉग भी साझा की।

पाकिस्तान को दी चुनौती : इसके बाद दीपक ने पाकिस्तान की पोल खोलते हुए लिखा कि बाद में मुझे पता चला कि इस बहस के आयोजक मूसा हरराज, जिनके पिता पाकिस्तान में मंत्री हैं। उन्होंने इस पूरी झूठी कहानी को गढ़ा है। पाकिस्तान की टीम लंदन में ही मौजूद थी। लेकिन बहस नहीं करना चाहती थी। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान की टीम तैयारी के साथ है तो फिर बहस के लिए सामने आ जाए। उन्हें इसमें आतंकियों की तरह छिपने की जरूरत नहीं है। डिबेट से तीन घंटे पहले पाकिस्तानी स्पीकर के नहीं आने की जानकारी मिली इसके बाद साई दीपक खुद ब्रिटेन पहुंचे और आखिरी मौके पर ब्रिटेन में रहने वाले दो भारतीय मूल के स्पीकर मनु खजूरिया और पंडित सतीश शर्मा को टीम में शामिल कर लिया। यानी भारतीय टीम पूरी तरह तैयार थी।

मौत और तबाही लेकर आया चक्रवाती तूफान सेन्यार, इन देशों में मरने वालों का आंकड़ा 300 के पार

जकार्ता, एजेंसी। चक्रवाती तूफान सेन्यार ने कमजोर होने से पहले इंडोनेशिया और थाईलैंड जैसे देशों में भारी तबाही मचाई है। बाढ़ और लैंडस्लाइड की वजह से मरने वालों का आंकड़ा 300 तक पहुंच गया है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया है कि इंडोनेशिया के सुमात्रा आइलैंड पर अचानक आई बाढ़ और लैंडस्लाइड से मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 174 हो गई। वहीं दर्जनों लोग अभी भी लापता हैं। इस बीच शुक्रवार को दक्षिणी थाईलैंड में आई भारी बाढ़ में कम से कम 145 लोगों की मौत हो गई है। इंडोनेशिया की मौसम संबंधी एजेंसी ने बताया है कि चक्रवाती तूफान दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों को कई दिनों तक प्रभावित कर सकता है। एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि मलक्का स्ट्रेट में बना ट्रॉपिकल साइक्लोन सेन्यार खराब मौसम की वजह बन रहा है। उन्होंने कहा है कि खराब मौसम संबंधी चेतावनी बढ़ा दी है। तूफान के बाद आए मूसलाधार बारिश और बाढ़ की वजह से नॉर्थ सुमात्रा प्रांत में 3,200 से ज़्यादा घर और इमारतें डूब गई हैं। हजारों लोगों को सरकारी राहत शिविरों में शिफ्ट किया गया है। वहीं वेस्ट सुमात्रा में, 17,000 से ज्यादा घर डूब गए, और लगभग 23,000 लोगों को टेम्परारी शेल्टर में ले जाया गया है। इस बीच खराब मौसम की वजह से बचाव कार्य में भी मुश्किलें आ रही हैं। नॉर्थ सुमात्रा

रीजनल पुलिस के स्पोक्सपर्सन फेरी वुलंटुकन ने बताया है कि मिट्टी धंसने, बिजली ना होने और टेलीकम्युनिकेशन की बाधा की वजह से सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में रुकावट आ रही है। थाईलैंड में भी बाढ़ ने भीषण तबाही मचाई है। पानी कम होने पर रेस्क्यू टीमें पहले डूबे हुए इलाकों में पहुंच रही हैं, जिससे बड़े पैमाने पर तबाही नजर आ रही है। 12 दक्षिणी प्रांतों में 1.2 मिलियन से ज्यादा घर और 36 लाख लोग लगातार भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है। वहीं बाढ़ और भूस्खलन की वजह से क्षतिग्रस्त सड़कों और संचार लाइनों के कारण कई इलाके बड़े पैमाने पर कट गए हैं। उत्तरी सुमात्रा प्रांत के मध्य टापानुली जिले और क्षेत्र के अन्य जिलों में राहत विमान की मदद से सहायता और आपूर्ति पहुंचाया जा रहा है। उत्तरी सुमात्रा पुलिस के प्रवक्ता के अनुसार सड़कों, बिजली और फोन नेटवर्क के पूरी तरह बंद होने के कारण बचाव दलों को बड़ी परेशानी हो रही है।

अमेरिका ने अफगानियों को वीजा जारी करने पर लगाई रोक, वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी के बाद ट्रंप सरकार का फैसला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ट्रंप सरकार ने वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी की घटना के बाद शुक्रवार से अप्रवासियों के खिलाफ जांच तेज और सघन कर दी है। साथ ही अमेरिकी विदेश विभाग ने अफगान नागरिकों के लिए वीजा जारी करने पर भी रोक लगा दी है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में लिखा कि 'राष्ट्रपति ट्रंप के विदेश विभाग ने अफगानिस्तान के सभी लोगों को वीजा जारी करने पर रोक लगा दी है।'

अमेरिकी अप्रवासन विभाग ने जारी किए निर्देश : विदेश विभाग के फैसले के बाद अमेरिकी सरकार ने देशभर में सभी शरण संबंधी फैसलों को भी तुरंत प्रभाव से रोक दिया है। बीते बुधवार को अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में बेहद सुरक्षित माने जाने वाले इलाके में हुई गोलीबारी के बाद ट्रंप प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया है। इस गोलीबारी में नेशनल गार्ड्स की एक महिला सैनिक की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल है। इससे पहले अमेरिका के अप्रवासन विभाग के निदेशक जोसेफ एल्डो ने भी पुष्टि की थी कि अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अगले आदेश तक अफगानिस्तान के नागरिकों को वीजा जारी न करें। यह रोक तब तक जारी रहेगी, जब तक अमेरिकी सरकार अमेरिका में मौजूद हर अफगान नागरिक की पूरी तरह से सुरक्षा जांच नहीं कर लेती।

ग्रीन कार्ड धारकों के दस्तावेजों की भी जांच के आदेश : वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी के आरोपी की पहचान अफगान मूल के रहमानुल्ला लकनवाल के रूप में हुई थी, जो साल 2021 में अमेरिका आया था। रहमानुल्ला को इसी साल अमेरिका में शरण दी गई थी। गोलीबारी की घटना से नाराज राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रंप प्रशासन ने 19 देशों के ग्रीन कार्ड धारकों के दस्तावेजों की सघन जांच का भी आदेश दिया है। ट्रंप सरकार के इस फैसले से ग्रीन कार्ड धारकों में डर का माहौल पैदा हो गया है। जिन 19 देशों के ग्रीन कार्ड होल्डर्स के दस्तावेजों की जांच का फैसला किया गया है, उनमें अफगानिस्तान, बर्मा, चाड, कांगो गणतंत्र, इक्वेटोरियल गिनी, एरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान, यमन, बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला का नाम शामिल है।

ट्रंप के 'शांति सूत्रधार' डैन ड्रिस्कॉल: सबसे युवा आर्मी सेक्रेटरी, रूस-यूक्रेन प्रस्ताव के मुख्य वास्तुकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। नॉर्थ कैरोलिना की ब्लू रिज पर्वत श्रृंखला अपनी धुंध भरी सुबहों, सरसराते चीड़ के जंगलों और धीमी रफ्तार से चलने वाले छोटे-छोटे कस्बों के लिए मशहूर है। इन्हीं शांत पहाड़ियों के बीच बसे एक छोटे-से शहर बैनर एल्क में एक लड़का पला-बढ़ा था। वह बोलने से ज्यादा देखने-समझने में विश्वास रखता था। पर उसके अंदर एक अनोखी स्पष्टता थी। जहां बाकी बच्चे खेल, फिल्मों या रोमांच की बातें करते थे, वहीं उसने बचपन से ही फौज में शामिल होकर देश की सेवा करने का सपना संजो लिया था। उसके शिक्षक अक्सर उसके धैर्य, सूझ-बूझ वाले सवालों और काम खत्म करने की तेजी से प्रभावित होते थे। आगे चलकर वह लड़का न सिर्फ सबसे कम उम्र का अमेरिका का आर्मी सेक्रेटरी बना, बल्कि वर्तमान में दुनिया की सबसे जटिल राजनीतिक और सैन्य चर्चा

के केंद्र में भी है। ये हैं डैनियल 'डैन' पैट्रिक ड्रिस्कॉल, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति का ड्रोन मैन भी कहा जाता है। फिलवक्त, वह कीव और मॉस्को के बीच ट्रंप के शांति प्रस्ताव के वास्तुकार बनने की वजह से सुर्खियों में हैं।

शुरुआत और परिवार : ड्रिस्कॉल का नॉर्थ कैरोलिना से गहरा नाता है, जहां दुनिया के सबसे बड़े मिलिट्री ठिकानों में से एक फोर्ट ब्रैग समेत दस और मिलिट्री ठिकाने हैं। उन्होंने बैनर एल्क की पहाड़ियों में अपना बचपन बिताया। ड्रिस्कॉल अपने परिवार में तीसरी पीढ़ी के सैनिक हैं। उनके पिता वियतनाम युद्ध में शामिल थे, जबकि दादा द्वितीय विश्वयुद्ध में आर्मी डिकोडर रहे थे। उनकी मां गृहिणी थीं। ड्रिस्कॉल ने अपनी स्कूली शिक्षा वाटौगा हाई स्कूल से पूरी की। सेना में जल्दी शामिल होने की चाह थी, इसलिए उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, चैपल हिल से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री सिर्फ तीन साल में हासिल कर ली। उन्होंने प्रतिष्ठित येल लॉ स्कूल से ज्यूरिस डॉक्टर की डिग्री भी हासिल की है। कॉलेज के दिनों में ही उन्होंने येल के वेटरंस लीगल सर्विसेज क्लिनिक में भी काम किया, सीनेट कमेटी ऑन वेटरंस अफेअर्स व नाइंथ सर्किट के चीफ जज एलेक्स कोजिंस्की के लिए इंटर्नशिप की। ड्रिस्कॉल ने अपनी हाई स्कूल की दोस्त, कैसी ड्रिस्कॉल से शादी की है, जो एक प्लास्टिक सर्जन हैं। इस दंपती के दो बच्चे, डैनियल जूनियर और लीला, हैं।

ट्रंप के भरोसेमंद : अपने ज्यादातर कॅरिअर में, डैन ड्रिस्कॉल ने निजी क्षेत्रों में काम किया। तकनीकी और साइबर सुरक्षा फर्मों में वरिष्ठ पेशेवर के तौर पर उन्होंने न केवल डाटा स्ट्रेटजी और कॉरपोरेट रिस्क असेसमेंट में काम किया, बल्कि क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन जैसे संवेदनशील विषयों को भी बड़े कौशल के साथ संभाला। वह 20 करोड़ डॉलर के वेंचर कैपिटल फंड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के रूप में भी काम कर चुके हैं। ड्रिस्कॉल सबसे नाजुक मुद्दों को भी बिना किसी हंगामे के शांत और असरदार ढंग से हल करने में माहिर हैं। उनकी इसी क्षमता ने राष्ट्रपति ट्रंप का भरोसा जीत लिया।

ट्रंप की पहल से रुकेगा एक और संघर्ष, अफ्रीकी देश अमेरिका में शांति समझौते पर करेंगे हस्ताक्षर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक और संघर्ष विराम कराने जा रहे हैं। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अफ्रीकी देश कांगो और रवांडा के राष्ट्रपति अमेरिका में 4 दिसंबर को मिलेंगे और शांति समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। दोनों देशों के बीच संघर्ष रुकवाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन द्वारा कई महीनों से बातचीत की जा रही थी। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स शीसेकेडी ने बताया कि कांगो किसी भी शांति समझौते पर तभी हस्ताक्षर करेगा, जब इस बात की गारंटी मिले की रवांडा की सरकार एम23 विद्रोही संगठन को कोई समर्थन नहीं देगी।

पूर्वी कांगो में छिड़ा है संघर्ष : कांगो के राष्ट्रपति ने 4 दिसंबर को रवांडा के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने की पुष्टि की है। वहीं रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागामे ने भी इसकी उम्मीद जताई। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि पूर्वी कांगो में शांति तभी संभव है, जब विवाद से सीधे तौर पर जुड़े लोग शांति के पक्ष में हों। पूर्वी कांगो में बीते कई महीनों से संघर्ष छिड़ा हुआ है। यह संघर्ष कांगो सरकार की सेना और 100 से ज्यादा विद्रोही संगठनों के बीच हो रहा है। इस विद्रोही संगठनों में सबसे ताकतवर एम23 समूह है, जिसे रवांडा की सरकार का समर्थन हासिल है। इस साल संघर्ष उस समय तेज हो गया, जब एम23 ने कांगो के दो बड़े शहरों गोमा और बुकावु पर कब्जा कर लिया।

रवांडा के सैनिक विद्रोही संगठन के साथ मिलकर पूर्वी कांगो में लड़ रहे : संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों का दावा है कि रवांडा की सेना के 3000-4000 जवान पूर्वा कांगो में मौजूद हैं और एम23 समूह के साथ मिलकर लड़ रहे हैं। हालांकि रवांडा ने इन दावों को खारिज कर दिया है। दावा किया जा रहा है कि यह संघर्ष पूर्वी कांगो की खनिज संपदा और कथित तौर पर अपने-अपने इलाकों की रक्षा के लिए है। इससे पहले जून में भी कांगो और रवांडा के विदेश मंत्रियों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसमें रवांडा के सैनिकों की पूर्वी कांगो से वापसी की बात पर सहमति बनी थी।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि वे आठ युद्ध रुकवा चुके हैं। इस सूची में कंबोडिया और थाईलैंड, सर्बिया, इस्त्राइल और ईरान, मिस्त्र और इथयोपिया, आर्मेनिया और अजरबैजान जैसे देशों का संघर्ष शामिल है। ट्रंप भारत और पाकिस्तान का संघर्ष रुकवाने का भी दावा करते हैं, लेकिन भारत ने ट्रंप के दावे को खारिज कर दिया है। बीते दिनों उन्होंने कहा कि आठ में से पांच युद्ध तो उन्होंने टैरिफ की धमकी देकर रुकवाए।

चिली में प्रवासियों के खिलाफ चल रहा अभियान, पलायन बढ़ते ही पेरू ने की सीमा पर आपातकाल के एलान की तैयारी

सैंटियागो, एजेंसी। पेरू के राष्ट्रपति जोस जेरी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार देश की दक्षिणी सीमा पर आपातकाल का एलान करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार इलाके में ज्यादा सशस्त्र बलों को तैनात करेगी, क्योंकि बड़ी संख्या में वेनेजुएला के प्रवासी चिली से उत्तर की ओर बढ़ रहे हैं, जहां अप्रवासी विरोधी भावनाएं बढ़ गई हैं। अपने देश में संकट से बचने या विदेश में बेहतर अवसरों की तलाश में लाखों प्रवासी लंबे समय से महाद्वीप और पेरू की सीमा पार कर चिली में नया जीवन बसर करने के लिए आ रहे हैं, जो लैटिन अमेरिका के सबसे स्थिर और समृद्ध देशों में से एक है। चिली में कानूनी दर्जा न रखने वाले बहुत से लोग हैं, इनमें ज्यादातर वेनेजुएला के हैं। ये लोग हाल के वर्षों में अपने देश की आर्थिक बर्बादी और सत्तावादी शासन से बचकर भागे हैं। हालांकि, अब ये दूसरी दिशा में जा रहे हैं, क्योंकि चिली आव्रजन के खिलाफ अपना रुख सख्त करने की तैयारी कर रहा है। 14 दिसंबर को चिली में होने वाले राष्ट्रपति पद के दूसरे चरण के चुनाव में जीत के प्रबल दावेदार अति-रूढ़िवादी वकील जोस एंटोनियो कास्ट ने अपना अभियान वेनेजुएला से आने वाले अप्रवासियों और संगठित अपराध में वृद्धि को लेकर लोगों के डर के इर्द-गिर्द बुना है। उन्होंने पिछले हफ्ते पेरू से लगी चिली की रेगिस्तानी सीमा पर एक अभियान वीडियो फिल्माया, जिसमें बिना औपचारिक दर्जा वाले अप्रवासियों को चेतावनी दी गई है आपके पास अपनी इच्छा से चिली छोड़ने के लिए 111 दिन हैं। दिनों की यह मोहलत मौजूदा वामपंथी राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक के बाद नए प्रशासन के कार्यभार संभालने तक की है। उन्होंने

कहा, 'अगर ऐसा नहीं हुआ, तो हम आपको रोकेंगे, आपको हिरासत में लेंगे, आपको निष्कासित कर देंगे। आप सिर्फ अपने तन पर पहने कपड़ों के साथ ही बाहर निकलेंगे।' जल्द ही पेरू का मीडिया उन प्रवासी परिवारों की तस्वीरों से भर गया जो चिली से पेरू की ओर भाग रहे थे, उनका सामान बैग और कचरे के थैलों में भरा हुआ था। कुछ ही दिनों के भीतर जारी ने सीमा नियंत्रण का निरीक्षण करने के लिए उसी क्षेत्र का दौरा किया और सुरक्षा अभियान को बढ़ावा देने के लिए सशस्त्र बल भेजे। चिली के उत्तरी सीमावर्ती कस्बों के निवासियों ने बढ़ती अराजकता की सूचना दी है, क्योंकि चिली छोड़कर पेरू में प्रवेश की अनुमति न मिलने पर भी लोगों की भीड़ अनिश्चितता में फंसी हुई है। शुक्रवार को जारी ने क्षेत्र में आपातकाल की घोषणा करने के लिए अपने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। इस बात का कोई स्पष्ट आंकड़ा नहीं है कि कास्ट की सामूहिक निर्वासन की धमकियों और आव्रजन वकीलों के अनुसार, 18.5 मिलियन की आबादी वाले दक्षिण अमेरिकी देश में विदेशी लोगों के प्रति बढ़ती नफरत की पृष्ठभूमि में कितने लोगों ने चिली छोड़ने का फैसला किया है। शुक्रवार को कास्ट ने एक नया वीडियो जारी किया जिसमें उन्होंने अप्रवासियों के लिए अपनी चेतावनी दोहराई और बोरिक से दखल देने का आग्रह किया।

ट्रम्प ने बाइडेन के 92% एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स रद्द किए:बोले- इन पर मशीन से दस्तखत थे, पूर्व राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं थी, इसलिए ये अवैध

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में जारी किए गए 92% एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स को रद्द कर दिया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ पर इसकी जानकारी दी। ट्रम्प ने का दावा है कि ये सभी ऑटोपेन (मशीन से दस्तखत) से साइन किए गए थे, जो बिना बाइडेन की मंजूरी के अवैध हैं। इस कदम से बाइडेन के कई महत्वपूर्ण एक्जीक्यूटिव ऑर्डर प्रभावित हो सकते हैं, जिनमें स्वास्थ्य, पर्यावरण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े नियम शामिल हैं। उन्होंने बाइडेन को 'स्लीपी (सुस्त) जो' और 'क्रुक्ड (चालाक) जो' कहते हुए धमकी दी कि अगर बाइडेन इन दस्तावेजों पर अपनी सहमति का दावा करेंगे तो उन पर 'झूठे बयान' के आरोप लगेंगे। ट्रम्प का यह फैसला व्हाइट हाउस के पास हुए नेशनल गार्ड्स पर हुए हमले के बाद आया है।

बाइडेन के कई एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर रद्द होने का खतरा : बाइडेन ने चार साल (2021-25) के कार्यकाल में कुल 162 एक्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किए, साथ ही सैकड़ों ज्ञापन और नोटिस भी साइन किए थे। ट्रम्प ने पद संभालने के बाद जनवरी में ही करीब 80 बाइडेन-युग के ऑर्डर रद्द कर दिए थे, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण ऑर्डर अभी भी लागू हैं। इनमें से कुछ अब रद्द होने के खतरे में हैं।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14087: अमेरिका में प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की कीमतें कम करने से जुड़ा। यह दवा कंपनियों पर नियंत्रण लगाता है, ताकि आम नागरिकों को

सस्ती दवाएं मिल सकें।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14096: पर्यावरणीय न्याय पर केंद्रित, जो गरीब और अल्पसंख्यक समुदायों को पर्यावरण प्रदूषण से बचाने के उपाय करता है।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14110: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास और उपयोग पर सख्ती, जिसमें जोखिमों को कम करने और नैतिक उपयोग सुनिश्चित करने के नियम शामिल हैं। ट्रम्प के इस कदम से इन नीतियों पर असर पड़ सकता है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि सभी दस्तावेजों के हस्ताक्षरों की वैधता साबित करना मुश्किल होगा। अभी यह साफ नहीं है कि कौन इन साइन की जांच करेगा।

क्या ट्रम्प बाइडेन के आदेशों को रद्द कर सकते हैं : कार्यकारी आदेश अमेरिकी राष्ट्रपति के जारी किए गए ऑर्डर होते हैं, जो संघीय एजेंसियों को कानूनों को लागू करने या नीतियां बनाने में मदद करते हैं। अमेरिकी कानून के अनुसार, कोई भी राष्ट्रपति अपने पिछले राष्ट्रपति के कार्यकारी आदेशों को रद्द, संशोधित या अमान्य कर सकता है। हालांकि, इसकी अपनी सीमाएं भी हैं। खासकर क्षमादान, माफी और सजा में कमी के मामलों में, जिन्हें एक बार दिए जाने के बाद वापस नहीं लिया जा सकता। ट्रम्प का मुख्य दावा ऑटोपेन पर आधारित है। वे कहते हैं कि बाइडेन के 92% आदेश ऑटोपेन से हस्ताक्षरित थे, जो बिडेन की मंजूरी के बिना अवैध हैं। लेकिन कानूनी रूप से, ऑटोपेन का उपयोग पूरी तरह वैध है। जस्टिस डिपार्टमेंट के ऑफिस ऑफ लीगल काउंसल ने 2005 में (जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के समय) कहा था कि राष्ट्रपति को बिल या आदेश साइन करने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर करने की जरूरत नहीं है, बशर्ते उनकी मंजूरी हो।

ट्रम्प ने बाइडेन पर झूठी गवाही का आरोप लगाने की धमकी दी : ट्रम्प ने बाइडेन पर परजरी (झूठी गवाही) का आरोप लगाने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर बाइडेन ने कहा कि उन्होंने ऑटोपेन वाले दस्तावेदो को खुद अप्रूव किया था, तो उन पर परजरी के आरोप लगेंगे।

विराट कोहली ने रचा इतिहास: एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने एक बार फिर दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को रांची में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले ODI में अपना 52वां एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शतक जड़ दिया। यह शतक पुरुषों के क्रिकेट में 7000वां अंतर्राष्ट्रीय शतक भी है।

भारत ने सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा (51 गेंदों पर 57 रन) को एक शानदार अर्धशतक के बाद खो दिया था। रोहित-कोहली की जोड़ी ने 109 गेंदों पर 136 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिसने भारत के लिए मजबूत आधार तैयार किया। रोहित ने अपनी पारी में तीन छक्के भी लगाए।

रोहित के आउट होने के बाद, भारत की पारी थोड़ी लड़खड़ाई, जब रुतुराज गायकवाड़ और वाशिंगटन सुंदर सस्ते में आउट हो गए। रन रेट धीमा हुआ और साउथ अफ्रीका ने वापसी की कोशिश की।

हालांकि, कोहली अडिग रहे। उन्होंने चुपचाप शुरुआत की, लेकिन फिर जरूरत पड़ने पर गियर बदला और एक-एक ईंट से

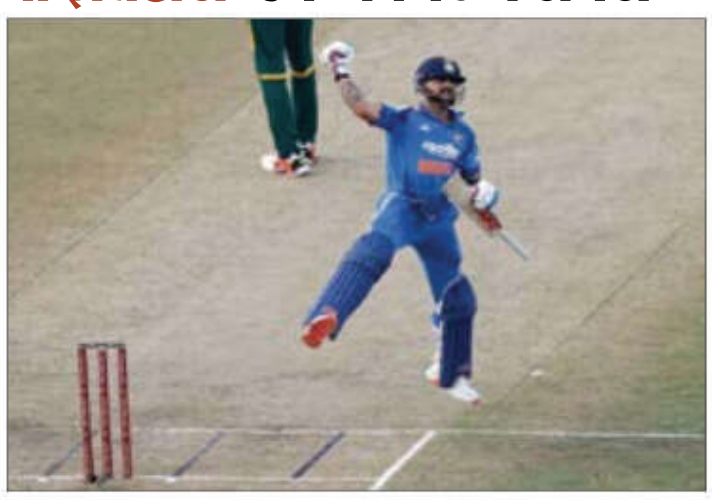

अपनी पारी को बनाया। यह शतक 38वें ओवर में आया, जब उन्होंने ऑलराउंडर मार्को जेनसन की गेंद को बेहतरीन तरीके से थर्ड मैन के ऊपर से गाइड किया।

गेंद बाउंड्री के पार चली गई और कोहली ने हवा में मुक्का मारते हुए ज़ोरदार जश्न मनाया। दूसरे छोर पर, केएल राहुल ने शांत रहकर स्ट्राइक रोटेट की और कोहली को चार्ज लेने दिया। ओवर बाकी रहने और बैटिंग लाइनअप में गहराई होने के साथ, भारत 300 से अधिक रन बनाने की अच्छी स्थिति में दिख रहा है।

रोहित और विराट सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली भारतीय जोड़ी बनी, तेंदुलकर और द्रविड़ को पीछे छोड़ा

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली ने यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में उतरने ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। अब विराट और रोहित की जोड़ी भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक मैच खेलने वाली जोड़ी बन गयी है। इससे पहले ये रिकार्ड सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी के नाम था। अब रोहित और विराट ने एक साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 392 मैच खेले हैं। यह संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा खेले गए मैच हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी ने 391 मैच खेले हैं। वहीं सबसे अधिक मैच खेलने वाली तीसरी जोड़ी राहुल द्रविड़ और गांगुली की है। इस जोड़ी ने 369 मैच खेले हैं। इस मैच से भारतीय प्रशंसकों को रोहित और विराट की जोड़ी को लंबे समय बाद एक साथ घरेलू मैदान पर खेलते हुए देखने का अवसर मिला है। रोहित और विराटने भारत के लिए एक साथ अपना पहला मैच 18 अगस्त 2008 को खेला था। तब से लेकर इन दोनों ने जमकर रन बनाते हुए एक साथ मिलकर टीम इंडिया को कई मैच जिताए। येसीरीज इन दोनो का ही भविष्य तय करेगी।, टेस्ट और टी20 से रोहित-कोहली के संन्यास लेने से टीम प्रबंधन उन्हें अगले विश्व कप के लिए दावेदार नहीं मान रहा था, मगर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इन दोनो ने ही जमकर रन बनाकर अपनी दांवेदारी पेश की थी। अब देखना है कि दक्षिण अफीका के खिलाफ ये कितने सफल रहते हैं।

रोहित शर्मा वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले क्रिकेटर बने, दिग्गज पाकिस्तानी खिलाड़ी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क -टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। रोहित अब वनडे क्रिकेट में 352 छक्कों के साथ इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। रोहित को इस मैच से पहले ये रिकॉर्ड बनाने के लिए 3 छक्कों की जरूरत थी। रोहित ने इस मामले में पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी (351) को पीछे छोड़ दिया है जो इससे पहले वनडे इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के (351) मारने वाले खिलाड़ी थे।

रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 136 रन की साझेदारी की। रोहित ने अपनी पारी के दौरान 51 गेंदों में 57 रन बनाए जिसमें 5 चौके और 3 छक्के शामिल थे।

ODI में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप 5 खिलाड़ी

रोहित शर्मा - 352
शाहिद अफरीदी - 351
क्रिस गेल - 331
सनथ जयसूर्या - 270
महेंद्र सिंह धोनी - 229

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : अभिषेक ने 12 गेंदों मे ही लगाया अर्धशतक

-सबसे तेज पचास रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बने

हैदराबाद (एजेंसी)। पंजाब की ओर से खेलते हुए बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 12 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। अधिषेक ने 425.00 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। इस युवा बल्लेबाज ने हैदराबाद में बंगाल के खिलाफ एलीट ग्रुप सी के मुकाबले में 12 गेंद में 5 चौके और 5 छक्के लगाकर सबको हैरान कर दिया।

पंजाब कप्तानी करते हुए अभिषेक ने बंगाल के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। पहले दो मैचों में वह रन नहीं बना पाये थे पर इस मैच में उन्होंने कोई गलती नहीं की। इस मैच में उन्होंने मोहम्मद शमी की गेंदों पर भी जमकर शॉट लगाये। अभिषेक का 12 गेंदों में लगाया अर्धशतक पुरुष टी20 क्रिकेट में संयुक्त रूप से तीसरा व किसी भारतीय द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। प्रभसिमरन सिंह के साथ पारी की शुरुआत करते हुए अभिषेक ने शमी और आकाश दीप की गेंदों को जमकर पीटा। उन्होंने साक्षम चौधरी और वृत्तिक चटर्जी के खिलाफ भी तेजी से रन बनाये।

टी20 में सबसे तेज अर्धशतक नेपाल के दिपेंद्र सिंह ऐरी ने सितंबर 2023 में हांगझो एशियन गेम्स के दौरान मंगोलिया के खिलाफ 10 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। वहीं भारत के अशुतोष शर्मा दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने 2023-24 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ रेलवे की ओर से खेलते हुए 11 गेंदों में ही पचास रन बना दिये। अब अभिषेक तीसरे नंबर पर आ गये हैं।

चयनकर्ता प्रमुख अजीत अगरकर घरेलू ड्यूटी पर अहमदाबाद में तैनात

अहमदाबाद (एजेंसी)। चयनकर्ता प्रमुख अजीत अगरकर 26 नवंबर से घरेलू ड्यूटी पर अहमदाबाद में तैनात हैं, जबकि भारतीय क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से घरेलू टेस्ट हार से अभी भी जूझ रहा है। सेलेक्टर्स के चेयरमैन, जिनकी अक्सर घरेलू सर्किट से ज़्यादा इंटरनेशनल गेम को प्राथमिकता देने के लिए आलोचना की जाती है, नेशनल टी20 चैंपियनशिप के ग्रुप डी मैचों की देखरेख कर रहे हैं जो अभी कई शहरों में फैले हुए हैं।

अगरकर की अगुवाई वाला पैनल घरेलू क्रिकेट से दूर रहने, खासकर व्हाइट-बॉल रिटर्न के आधार पर टेस्ट खिलाड़ियों को चुनने और स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों के बजाय ऑलराउंडरों को तरजीह देने के लिए जांच के दायरे में है। साई सुदर्शन और नीतीश रेड्डी के चयन ने ध्यान खींचा है, जबकि सरफराज खान, अभिमन्यु ईश्वरन और करुण नायर को बाहर रखने पर बहस जारी है। हालांकि चयन पांच सदस्यों वाली कमेटी का सामूहिक फैसला है, लेकिन अगरकर की सबसे ज्यादा आलोचना विदेशी दौरों और इंटरनेशनल मैचों में उनकी लगातार मौजूदगी के कारण हुई है।

यह साफ नहीं है कि टेस्ट हार के बाद उनका मौजूदा घरेलू कार्यकाल बीसीसीआई के किसी निर्देश से जुड़ा है या नहीं, लेकिन अगरकर को पिछले कुछ दिनों में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में देखा गया है। दूसरे चयनकर्ताओं में, प्रज्ञान ओझा रविवार (30 नवंबर) से दक्षिण अफ्रीका में शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम के साथ यात्रा करने वाले हैं, जबकि एसएस दास (कोलकाता), आरपी सिंह (लखनऊ) और अजय रात्रा (हैदराबाद) सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी ड्यूटी पर हैं।

टेस्ट सीरीज में हार के बाद रेड-बॉल क्रिकेट को लेकर भी बड़ी चर्चाएं शुरू हो गई हैं जिसमें यह भी शामिल है कि क्या इस फॉर्मेट से हटने वाले सीनियर खिलाड़ियों से दोबारा सोचने के लिए कहा जा सकता है। इस बात का कोई संकेत नहीं है कि विराट कोहली से संपर्क किया गया है, लेकिन यह विचार फैलने लगा है। किसी भी औपचारिक कदम की कोई निश्चितता नहीं है, हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि हाल ही में रिटायर हुए कम से कम एक खिलाड़ी दोबारा सोचने के लिए तैयार हो सकता है।

कई फ्रेंचाइजी स्काउट्स भी सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी वेन्यू पर पहुंच गए हैं, जिसमें जॉन राइट - भारत के पूर्व कोच और लंबे समय से मुंबई इंडियंस के स्काउट, अहमदाबाद के प्रमुख नामों में से हैं। वरुण एरॉन, पार्थिव पटेल, किरण मोरे और विजय भारद्वाज भी मौजूद हैं। राइट, जो सालों से मुंबई इंडियंस के लिए स्काउट रहे हैं और जिन्हें जसप्रीत बुमराह को खोजने का श्रेय दिया जाता है, 16 दिसंबर को आईपीएल ऑक्शन से पहले एक्शन पर नजर रख रहे हैं। अहमदाबाद ने दूसरे सेंटर्स की तुलना में ज़्यादा ध्यान खींचा है, जहां झारखंड, तमिलनाडु, कर्नाटक, सौराष्ट्र, उत्तराखंड, दिल्ली और त्रिपुरा की टीमें अभी नरेंद्र मोदी स्टेडियम के मैदान में खेल रही हैं।

भारत अंडर-19 और अफगानिस्तान अंडर-19 के बीच त्रिकोणीय श्रृंखला का फाइनल रद्द

बेंगलुरु । भारत अंडर-19 और अफगानिस्तान अंडर-19 के बीच एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला का फाइनल मैच खराब मौसम की वजह से रविवार को यहां रद्द हो गया। भारत अंडर-19 टीम 19 ओवर में पांच विकेट पर 79 रन बनाकर जूझ रही थी जब बारिश और खराब रोशनी की वजह से खेल रोकना पड़ा जो दोबारा शुरू नहीं हो पाया। तेज गेंदबाज अब्दुल अजीज ने कप्तान विहान मल्होत्रा ??और वंश आचार्य के विकेट लेकर अफगानिस्तान को शुरुआती सफलताएं दिलाईं जिससे भारत का स्कोर चार विकेट पर 24 रन हो गया। निष्क चौहान (नाबाद 28) और अभिज्ञान कुंडू (27) ने पांचवें विकेट के लिए 51 रन जोड़कर विकेटों के पतझड़ पर विराम लगाया लेकिन इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और अंतत- मैच रद्द हो गया।

हरमनप्रीत और युवराज सिंह के नाम के स्टैंड बनाएगी पीसीए

चंडीगढ़ । अब पूर्व ऑलरांउडर युवराज सिंह और भारतीय महिला किकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम के स्टैंड मोहाली में मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम में बनेंगे। ये घोषणा पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने की है। इसके अलावा, हरमनप्रीत के साथ ही अमनजोर कौर को इनामी राशि भी दी जाएगी। पीसीए के कार्यवाहक सचिव सिद्धार्थ शर्मा ने कहा, इन खिलाड़ियों को विश्वकप जीतने के लिए सम्मानित किया जा रहा है। साथ ही कहा कि हमने उनके नाम पर एक स्टैंड की घोषणा की है। 11 दिसंबर को भारत-दक्षिण अफ्रीका मैच में युवराज और हरमनप्रीत के नाम के स्टैंड का उद्घाटन होगा। यह स्टैंड न्यू मुल्लापुर में नए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में बनेगा। यह उनकी उपलब्धि के लिए हमारी ओर से एक छोटी सी भेंट है। सिद्धार्थ के अनुसार इन महिला खिलाड़ियों को देखकर ही युवा लड़कियां भी इस खेल से जुड़ेंगी। उन्होंने कहा, महिला क्रिकेट में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिगेज जैसी खिलाड़ियों को देखकर ही युवा सामने आएंगी। साथ ही कहा कि जब युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी, तभी महिला क्रिकेट आगे बढ़ेगा। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने महिला विश्व कप 2025 के फाइनल मैच में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर खिताब जीता था। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम 45.3 ओवरों में महज 246 रन ही बना पायी। वहीं युवराज सिंह ने भारत को टी20 विश्व कप 2007 और एकदिवसीय विश्व कप 2011 का खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप : भारत की ओमान पर 17-0 से शानदार जीत, क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के करीब

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने चेन्नई के एग्मोर में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में अपने दूसरे पूल बी मैच में ओमान को 17-0 से हराकर पुरुषों के हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 में अपनी लगातार दूसरी जीत हासिल की। भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने शुक्रवार को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में चिली को 7-0 से हराया था। अर्शदीप सिंह (4', 33', 40'), मनमीत सिंह (17', 26', 36') और दिलराज सिंह (29', 32', 58') ने हैट्रिक बनाई, जबकि अजीत यादवल (34', 47'), गुरजोत सिंह (39', 45') और लुवांग थोनाओजम इंगालेम्बा (43', 50') ने दो-दो गोल किए।अ नमोल एक्का (29') और शारदा नंद तिवारी (55') ने मैच के बाकी दो गोल किए।

अर्शदीप ने चौथे मिनट में गोल किया, लेकिन यह पहले क्वार्टर का एकमात्र गोल साबित हुआ, क्योंकि ओमान ने अपनी

किस्मत और आखिरी समय में कुछ अच्छे डिफेंस के दम पर स्कोर 1-0 पर बनाए रखा। लेकिन, दूसरे पीरियड में मनमीत सिंह के दो गोल से भारत ने बढ़त बना ली, जिसके बाद दिलराज सिंह और अनमोल एक्का ने हाफ-टाइम तक भारत को 5-0 से आगे कर दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर में जोरदार वापसी की, जिसमें मेज़बान टीम ने मेहमान टीम पर आठ गोल किए, जिसमें मनमीत और अर्शदीप ने अपनी-अपनी हैट्रिक पूरी कीं।

भारत ने आखिरी क्वार्टर में भी चार और गोल करके अच्छा प्रदर्शन किया, जब दिलराज सिंह ने 58वें मिनट में अपने हैट्रिक गोल से शानदार स्कोरलाइन को खत्म किया। भारत के पांच गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए, जबकि शारदा नंद तिवारी ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज कराया। बाकी 11 गोल ओपन प्ले से आए।

इस जीत की वजह से, भारत अभी चल रहे जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के ग्रुप बी में बेहतर गोल डिफरेंस के आधार पर टॉप पर है। इस नतीजे का यह भी मतलब है कि अगर भारत मंगलवार को अपने आखिरी ग्रुप बी मैच में स्विट्जरलैंड से हार से बचता है, तो वह पूल विनर के तौर पर सीधे मेन्स हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच जाएगा। अगर भारत स्विट्जरलैंड से हार जाता है जिसने भी दो मैचों में दो जीत हासिल की हैं, तो उसे क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए छह रनर-अप टीमों में टॉप दो टीमों में शामिल होना होगा।

MLS CUP: मेस्सी की इंटर मियामी टीम ने न्यूयॉर्क सिटी FC को 5-1 से हराकर फाइनल में एंट्री की

फोर्ट लाउडरडेल। लियोनेल मेस्सी की टीम इंटर मियामी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूयॉर्क सिटी स्नष्ट को 5-1 से हराकर ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस खिताब जीत लिया और इसके साथ ही एमएलएस कप फाइनल में जगह पक्की कर ली। इस जीत के बाद मेस्सी का एक और बड़े खिताब के लिए खेलना लगभग तय हो गया है। इंटर मियामी की जीत के हीरो रहे मेस्सी के अर्जेंटीनी साथी तादेओ अलेंदे, जिन्होंने बेहतरीन हैट्रिक जमाई। वहीं, जॉर्डी अल्बा और सर्जियो बुस्केट्स ने भी एक-एक गोल दागा। मेस्सी के लिए यह मैच व्यक्तिगत रूप से खास नहीं रहा, लेकिन उन्होंने शुरुआती दो गोल में महत्वपूर्ण असिस्ट दिए। यह क्लब और देश के लिए मिलाकर मेस्सी के करियर का 405वां असिस्ट था, जो फुटबॉल इतिहास में सर्वाधिक माने जाते हैं। इंटर मियामी अब एमएलएस कप फाइनल में वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस के विजेता—सैन डिएगो या वैंकूवर की मेजबानी आगामी शनिवार को करेगी।

इमोशनल कोच होना हमेशा फायदेमंद नहीं, गौतम गंभीर पर डिविलियर्स का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 की शर्मनाक हार के बाद भारतीय टीम और मुख्य कोच गौतम गंभीर लगातार आलोचना के केंद्र में हैं। सोशल मीडिया से लेकर क्रिकेट विश्लेषकों तक, गंभीर पर भारत के टेस्ट क्रिकेट को गलत दिशा में ले जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। उन पर लगातार प्रयोग करने, बैटिंग ऑर्डर में अनिश्चित बदलाव, स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों को नज़रअंदाज़ करने और ऑलराउंडरों को लेकर अतिशय लगाव दिखाने की बातें तेजी से सामने आ रही हैं। हालांकि गंभीर साफ कह चुके हैं कि टीम ट्रांजिशन के दौर में है और बदलाव का ये ही सही समय होता है, चाहे उसे लेकर कितनी भी आलोचना क्यों न झेलनी पड़े। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने एक दिलचस्प और महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल से बातचीत में डिविलियर्स ने कहा कि टीम का कोच बहुत ज्यादा इमोशनल हो, तो यह हमेशा सकारात्मक साबित नहीं होता। उन्होंने कहा, 'मैं गौतम गंभीर को एक बेहद भावुक खिलाड़ी के रूप में जानता आया हूं। अगर ड्रेसिंग रूम में भी वही भावुकता हावी रहती है, तो आमतौर पर इमोशनल कोच का होना अच्छी बात नहीं माना जाता।'

डिविलियर्स और गंभीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साथ लंबा वक्त बिताया है और कई बार एक-दूसरे के खिलाफ बड़े मुकाबले खेले हैं। आईपीएल में भी दोनों कई साल प्रतिद्वंद्वी रहे। इन्हीं अनुभवों की वजह से डिविलियर्स गंभीर की कोचिंग स्टाइल को समझने की कोशिश करते दिखाई दिए। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भावुक खिलाड़ी होना जरूरी नहीं कि वही शख्स भावुक कोच भी हो। डिविलियर्स ने कहा, 'हर खिलाड़ी की जरूरत अलग होती है। कुछ लोग ऐसे कोच के साथ ज्यादा सहज महसूस करते हैं जो खुद महान खिलाड़ी रहा हो, जबकि कुछ ऐसे कोच के साथ बेहतर खेलते हैं जिनके पास वर्षों का कोचिंग अनुभव हो, भले उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न खेला हो।' उन्होंने बताया कि उन्हें गैरी कर्स्टन जैसे शांत और संतुलित कोच के तहत खेलना बेहद पसंद था, और यह उनके प्रदर्शन के लिए फायदेमंद साबित हुआ। भारत में टेस्ट सीरीज की हार के बाद अगले साल गंभीर के लिए बड़ा इम्तिहान होगा और टीम के प्रदर्शन से ही तय होगा कि उनका प्रयोगात्मक दृष्टिकोण सही दिशा में है या नहीं। आलोचनाओं के बावजूद डिविलियर्स ने संकेत दिया कि नए बदलावों को समय दिया जाना चाहिए, क्योंकि हर टीम कभी न कभी बदलाव के दौर से गुजरती है।

डब्ल्यूबीबीएल 2025 : पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंची मेलबर्न स्टार्स

मेलबर्न । विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 के 28वें मुकाबले में शनिवार को मेलबर्न स्टार्स ने जंक्शन ओवल में खेले गए मैच में मेलबर्न रेनेगेड्स पर 45 रन की शानदार जीत दर्ज की। इस महत्वपूर्ण जीत के साथ मेलबर्न स्टार्स ने प्वाइंट्स टेबल में पहला स्थान हासिल कर लिया है। स्टार्स ने अब तक खेले गए 7 मुकाबलों में से 5 में जीत दर्ज की है, जबकि एक मैच में हार का सामना करना पड़ा और एक मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा रहा था। दूसरी ओर मेलबर्न रेनेगेड्स ने अब तक 8 मैच खेले हैं, जिसमें से टीम ने 4 में जीत हासिल की है और 4 में उसे हार झेलनी पड़ी है। अंक तालिका में रेनेगेड्स वर्तमान में तीसरे स्थान पर है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेलबर्न स्टार्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने महज 14 रन पर रिस मैककेना का विकेट गंवा दिया, जो सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुईं। शुरुआती झटके के बाद मेग लैनिंग और एमी जोन्स ने मिलकर टीम को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 51 गेंदों में 62 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। एमी जोन्स ने 33 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 43 रन की उपयोगी पारी खेली। इसके बाद कप्तान एनाबेल सदरलैंड ने लैनिंग का साथ देते हुए तीसरे विकेट के लिए 43 गेंदों में 70 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सदरलैंड ने 16 गेंदों में 27 रन का योगदान दिया, जबकि मेग लैनिंग अंत तक नाबाद रहीं और 58 गेंदों में 1 छक्का और 7 चौकों की मदद से शानदार 73 रन बनाए। निर्धारित 20 ओवर में मेलबर्न स्टार्स ने 5 विकेट पर 160 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। रेनेगेड्स की ओर से मिली इलिंगवर्थ ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए, जबकि जॉर्जिया वेयरहैम ने 2 विकेट अपने नाम किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेलबर्न रेनेगेड्स की टीम कभी भी लय में दिखाई नहीं दी और 16.3 ओवरों में 115 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए डिएंड्रा डॉटिन और निकोल फाल्टम ने सर्वाधिक 23-23 रन बनाए, जबकि इसी वोंग ने 20 रन का योगदान दिया। मेलबर्न स्टार्स के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें मैसी गिब्सन ने 3 विकेट चटकाए और किम गार्थ ने 2 सफलताएं हासिल कीं।

रसेल अब आईपीएल में नहीं खेलेंगे, सहयोगी स्टाफ के तौर पर उतरेंगे

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल अब आईपीएल में खेलते हुए नहीं दिखेंगे। इसका कारण है कि रसेल ने आईपीएल से संन्यास ले लिय है।

रसेल के इस फैसले से उनकी टीम कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के प्रशंसक हैरान हैं। रसेल अचानक ही संन्यास ले लेंगे। इसका अंदेशा उन्हें नहीं था। वह अभी विश्वभर की टी20 लीग्स में अपने प्रदर्शन से छाये हुए हैं। इस कारण आईपीएल में भी उनकी अच्छी मांग हैं। रसेल ने यह फैसला केकेआर द्वारा उन्हें आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले ही रिलीज करने के बाद लिया। रसेल ने आईपीएल को अलविदा कह दिया है पर कहा है कि वह सहयोगी स्टाफ के तौर पर उतरेंगे।

रसेल ने कहा कि वह केकेआर के साथ बने रहेंगे। वह आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स के सहयोगी स्टाफ के रूप में टीम के साथ बने रहेंगे।

रसेल ने अपने संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, 'ढ्ढक्कसे संन्यास ले रहा हूं। साथ ही कहा कि इसमें शानदार सफर रहा है। सीज़न की यादें, और केकेआर परिवार से काफी प्यार मिला। मैं दुनिया भर की हर दूसरी लीग में छक्के मारता रहूंगा और विकेट लेता रहूंगा। और सबसे अच्छी बात? मैं घर नहीं छोड़ रहा हूं। इस बार मैं नई भूमिका में नजर आउंगा।।'

रसेल ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत केकेआर नहीं बल्कि दिल्ली कैपिटल्स के साथ 2012 में की थी। दो सत्र दिल्ली से खेलने के बाद वह 2014 में केकेआर के साथ जुड़े और अपने पहले ही सीजन में उन्होंने टीम को विजेता बनाया। साल 2014 के बाद 2025 तक वह लगातार 12 साल कोलकाता की टीम का हिस्सा रहे। रसेल ने आईपीएल में कुल 140 मैच खेले जिसमें उन्होंने 2651 रन बनाने के साथ-साथ 123 विकेट लिए। ऐसे में एक खिलाड़ी के तौर पर लीग में उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा है।

'लोग क्या कहेंगे' की कहानी में भावनाओं और यादों का चित्रण: गिरिजा ओक

अभिनेता पंकज त्रिपाठी और मोहित छाबड़ा एक नई वेब सीरीज 'परफेक्ट फैमिली' के साथ आ रहे हैं। इस सीरीज में अभिनेत्री गिरिजा ओक अहम भूमिका निभा रही हैं, और हाल ही में जारी प्रोमो में वह नीति करकारिया के रूप में नजर आईं। वेबसीरीज के इस प्रोमो से स्पष्ट है कि यह कहानी केवल पारिवारिक ड्रामा नहीं है, बल्कि उन भावनाओं और यादों का चित्रण है, जिन्हें हम बड़े होने पर समझ पाते हैं। मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गुलशन देवैया और नेहा धूपिया जैसे अनुभवी कलाकार इसमें शामिल हैं, जिससे कहानी और भी मजबूत बनती है। गिरिजा ओक ने अपने किरदार और शो के विषय पर बात करते हुए कहा कि बचपन का ट्रॉमा अपने भीतर गहरे असर छोड़ता है। बच्चे को उस समय यह अहसास भी नहीं होता कि वह किसी भारी भावनात्मक बोझ से गुजर रहा है, वह केवल परिस्थितियों से तालमेल बैठाने की कोशिश कर रहा होता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता हमेशा अपने बच्चों के लिए अच्छा ही चाहते हैं, लेकिन कई बार 'लोग क्या कहेंगे' वाली सोच उन्हें सही निर्णय लेने से रोक देती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर माता-पिता समाज के दबाव से ऊपर उठकर सोचें तो वे बेहतर समझ पाएंगे कि उनके बच्चे के लिए वास्तव में क्या जरूरी है। बच्चों की भावनाओं को समझना और उनके लिए सही फैसले लेना बड़ों की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। गिरिजा का मानना है कि आज के समय में माता-पिता पहले की तुलना में अधिक जागरूक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील हो गए हैं। इसी कारण भविष्य में कम लोगों को बचपन के परेशान करने वाले अनुभवों के लिए थेरेपी की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने बताया कि इस सीरीज की स्क्रिप्ट ने उन्हें पहली ही पढ़त में अपनी ओर खींच लिया। उन्हें ऐसा महसूस हुआ मानो वे किसी रोचक कहानी की किताब पढ़ रही हों और हर एपिसोड पिछले से गहरी भावनाओं को छूता हो। सीरीज की शूटिंग के अनुभव को साझा करते हुए गिरिजा ने बताया कि जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ी, क्रू भी एक परिवार जैसा हो गया। सेट पर मौजूद दोस्ताना माहौल, मजाक और सहज बातचीत ने पूरी प्रक्रिया को आनंदमय बना दिया। इस वजह से भावनात्मक दृश्यों को निभाना भी आसान हो गया।

10 साल बाद 'भाभी जी घर पर हैं' से अलग हो रही हैं शुभांगी अत्रे

टीवी शो 'भाभी जी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे ने आखिरकार शो छोड़ने की खबर की पुष्टि कर दी है। उन्हें शो की पुरानी अंगूरी भाभी यानी शिल्पा शिंदे रिप्लेस करने वाली हैं। एक्ट्रेस ने स्वयं बताया है कि 10 साल बाद वह शो से अलग हो रही हैं और इसे वह एक सकारात्मक मोड़ की तरह देख रही हैं। उनके अनुसार यह बदलाव उनके पेशेवर जीवन में नए अवसरों का मार्ग खोलेगा। शुभांगी ने कहा कि उन्होंने हमेशा शो की निर्माता मिसेस कोहली से वादा किया था कि वह शो की यात्रा को सम्मान और गरिमा के साथ शुरू और समाप्त करेंगी, और यह एग्जिट उनके लिए बिल्कुल वैसा ही है जैसा वह चाहती थीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिप्लेसमेंट के पीछे कोई नकारात्मक वजह नहीं है, बल्कि वह एक कलाकार के रूप में नए किरदारों को एक्सप्लोर करना चाहती हैं। जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखने के बाद अब वह फाइटर मोड में हैं और फिलहाल अपनी बेटी और करियर पर फोकस कर रही हैं। लगभग एक दशक तक शो का हिस्सा रहने के बाद इसे छोड़ना शुभांगी के लिए भावुक अनुभव रहा। वह कहती हैं कि शो से विदा लेना ऐसा है जैसे कोई अपना घर छोड़ रहा हो। अंगूरी भाभी का किरदार उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन चुका था और इस शो ने उन्हें पहचान, सफलता और दर्शकों का अपार प्यार दिया है। उन्होंने इस बात को भी स्वीकार किया कि किसी और के स्थापित किए किरदार को आगे निभाना आसान नहीं होता, क्योंकि उस किरदार को दर्शकों से जोड़ना एक बड़ी चुनौती होती है। फिर भी, उन्हें खुशी है कि दर्शकों ने उन्हें उतना ही प्यार दिया जितना पहले मिला था। शुभांगी ने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा कि जब शिल्पा शिंदे ने यह रोल छोड़ा था, तब वह इसे एक नवजात शिशु की तरह उनके हाथों में देकर गई थीं।

नया फिटनेस चैलेंज देकर लोगों को चौंकाया भाग्यश्री ने

56 साल की उम्र में भी अभिनेत्री भाग्यश्री का ग्लो और एनर्जी किसी युवा अभिनेत्री से कम नहीं है। भाग्यश्री सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं और फैंस को समय-समय पर फिट रहने के लिए प्रेरित करती रहती हैं। फिल्म 'मैंने प्यार किया' से अपनी मासूम अदाओं और सादगी भरे अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली अभिनेत्री भाग्यश्री आज भी अपनी खूबसूरती और फिटनेस के लिए चर्चा में रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने हाल ही में एक नया फिटनेस चैलेंज देकर लोगों को चौंका दिया है। भाग्यश्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह जिम में ड्रिल एक्सरसाइज करती हुई नजर आती हैं। वीडियो में वह अपने फॉलोवर्स को चैलेंज देती हैं और कहती हैं 'चलिए देखते हैं कि आप कितने फुर्तीले हैं।' वीडियो में भाग्यश्री दो अलग-अलग ड्रिल एक्सरसाइज करती हैं, जिसमें उन्हें कुल 7 सेकंड का समय लगता है। उनकी तेज गति और बेहतरीन कॉन्सन्ट्रेशन देखकर फैंस दंग रह गए और कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफों की बौछार कर दी। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा फइसकी प्रैक्टिस से चपलता, गतिशीलता और ध्यान का परीक्षण किया जाएगा। मुझे हर एक्सरसाइज को करने में 7 सेकंड लगे। इसे आजमाएं और बताएं कि आपको कितना समय लगा। इसे रोजाना करें और अपनी गति बेहतर करने के लिए खुद से प्रतिस्पर्धा करें।' भाग्यश्री का यह फिटनेस चैलेंज तेजी से वायरल हो रहा है और कई यूज़र्स इसे आज़माने की बात कह रहे हैं। वीडियो में साफ दिखाई देता है कि 56 की उम्र में भी उनकी फुर्ती और फिटनेस युवा खिलाड़ियों जैसी है। इससे यह भी साबित होता है कि नियमित अभ्यास और अनुशासन से किसी भी उम्र में फिट रहा जा सकता है। ड्रिल एक्सरसाइज को स्किल-बेस्ड ट्रेनिंग माना जाता है, जो शरीर की फुर्ती, संतुलन, गति और समन्वय क्षमता को बढ़ाती है। एक्सरसाइज खिलाड़ियों और धावकों के लिए खासतौर पर लाभकारी मानी जाती है, लेकिन अब आम लोग भी इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर रहे हैं। यह न केवल शरीर को लचीला बनाती है, बल्कि दिल और दिमाग की सेहत भी बेहतर करती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि प्रतिदिन 15 मिनट ड्रिल एक्सरसाइज की जाए तो यह शरीर में हार्मोनल बैलेंस बनाने, तनाव कम करने, मूड हल्का करने और दिल की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती है।

सिंदूर और मंगलसूत्र वाले लुक ने फैंस का दिल जीता रानी ने

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री रानी चटर्जी एक बार फिर चर्चा में हैं। अपने दमदार अभिनय और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाने वाली रानी सोशल मीडिया पर भी बेहद सक्रिय रहती हैं और अक्सर अपने फैंस को अपनी निजी और प्रोफेशनल लाइफ की झलक दिखाती रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी नई फिल्म 'यूपी वाली और बिहार वाली' के सेट से कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिन्हें देखकर फैंस बेहद खुश और उत्साहित हो गए। पोस्ट की गई तस्वीरों में रानी चटर्जी नारंगी रंग की खूबसूरत साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्होंने हल्का मेकअप किया हुआ है, मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र पहना हुआ है, जो उनके लुक को पूरी तरह ट्रेडिशनल और आकर्षक बना रहा है। रानी का यह अवतार देखकर फैंस उनकी खूबसूरती और सरलता की खूब तारीफ कर रहे हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट के साथ भोजपुरी गाना 'कहे नाहीं कहलू पहिले' भी जोड़ा है, जो तस्वीरों के भाव को और खास बनाता है। तस्वीरें शेयर करते हुए रानी ने एक भावुक कैप्शन लिखा 'दिल बड़ा तो तू बड़ा', जिसने फैंस के बीच उत्सुक्ता और बढ़ा दी। सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल होने के बाद कई फैंस ने कमेंट कर रानी की तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, 'बहुत प्यारी लग रही हैं आप, अब आप भी शादी कर लीजिए और अपने पति के लिए व्रत रखिए।' वहीं, एक अन्य ने कहा, 'मंगलसूत्र और सिंदूर में आप बहुत सुन्दर लग रही हैं।' कुछ लोगों ने मज़ाक में यह भी पूछा कि कहीं रानी ने सच में शादी तो नहीं कर ली!
रानी चटर्जी ने भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी मेहनत और अभिनय कौशल से एक खास जगह बनाई है। यह अभिनेत्री फिल्मी दुनिया में लंबा और मजबूत सफर तय कर चुकी हैं और उनकी फैन फॉलोइंग लगातार बढ़ती जा रही है। हाल ही में उनकी कई फिल्में रिलीज हुई हैं, और कुछ जल्द ही बड़े पर्दे पर आने वाली हैं। वर्तमान में रानी ने अपनी नई फिल्म 'यूपी वाली और बिहार वाली' की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसकी जानकारी उन्होंने खुद पोस्ट के जरिए दी। मंजुल ठाकुर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रानी के अलावा संजना, प्रशांत सिंह, आलोक सिंह राजपूत, ललित उपाध्याय, विद्या सिंह, स्वेता वर्मा और गोपाल चौहान जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। इसके साथ ही रानी की 'जानम' और 'बैरी बहुरिया' भी हाल ही में रिलीज हो चुकी हैं। रानी चटर्जी की नई तस्वीरों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनकी लोकप्रियता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, और फैंस उनसे जुड़े हर अपडेट का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

टाइगर के साथ दिशा की केमिस्ट्री को फैंस ने किया बेहद पसंद

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी की लव लाइफ सालों से लोगों की दिलचस्पी का बड़ा विषय रही है। दिशा का नाम सबसे ज्यादा टाइगर श्रॉफ के साथ जोड़ा गया। टाइगर के साथ उनकी केमिस्ट्री को फैंस ने बेहद पसंद किया। हालांकि बहुत कम लोग जानते हैं कि दिशा का नाम दो और स्टार्स के साथ भी जुड़ चुका है, जिनके साथ उनके रिश्ते ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ का रिश्ता लंबे समय तक लाइमलाइट में रहा। दोनों को अक्सर साथ देखा जाता था जिम से लेकर लंच डेट्स और विदेश यात्राओं तक की उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती थीं। दिशा का टाइगर की मां आयशा श्रॉफ और बहन कृष्णा श्रॉफ के साथ भी घनिष्ठ रिश्ता था। हालांकि दोनों ने कभी अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया, लेकिन करीब छह साल तक एक-दूसरे के साथ रहने के बाद 2022 में दोनों ने अलग होने का फैसला किया। ब्रेकअप के बाद दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रहे हैं और अब दोनों के बीच कोई खास संपर्क नहीं है। टाइगर श्रॉफ से पहले भी दिशा पाटनी का नाम टीवी जगत के पॉपुलर एक्टर पार्थ समथान के साथ जुड़ा था। दोनों अपने करियर के शुरुआती चरण में एक-दूसरे के करीब आए और उनकी कई कोजी तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी थी। हालांकि कुछ समय बाद यह रिश्ता अचानक खत्म हो गया। उस वक्त खबरें थीं कि पार्थ और विकास गुप्ता के बीच कथित विवाद के चलते दिशा और पार्थ के रिश्ते में दरार पड़ी, हालांकि इस पर किसी ने खुलकर कुछ नहीं कहा। बीते कुछ समय से दिशा का नाम विदेशी मॉडल और फिटनेस ट्रेनर अलेक्जेंडर एलेक्स इलिक के साथ भी जोड़ा गया।

दोनों को अक्सर जिम, कैफे, इवेंट्स और पार्टियों में साथ देखा जाता था। सोशल मीडिया पर उनकी कई तस्वीरें और वीडियोज वायरल हुए, जिससे उनके रिश्ते की चर्चाएं तेज हुईं। यहां तक कि अलेक्जेंडर के हाथ पर बने एक टैटू को देखकर फैंस ने कहा कि इसमें दिशा का चेहरा नजर आता है। हालांकि रिपोर्ट्स के अनुसार यह रिश्ता भी अब समाप्त हो चुका है और दोनों अपने-अपने करियर पर फोकस कर रहे हैं। दिशा पाटनी की लव लाइफ भले ही उतार-चढ़ाव से भरी रही हो, मगर उनकी प्रोफेशनल लाइफ लगातार आगे बढ़ रही है।

रानी चटर्जी के पुराने वीडियो पर आई लाइक्स की बाढ

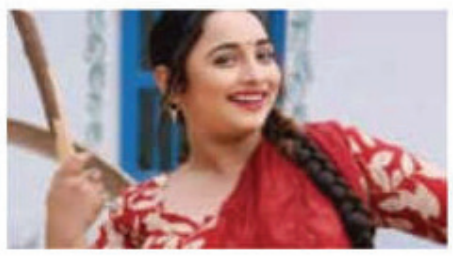

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने एक खास वीडियो पोस्ट करके पुराने दिनों की यादें ताज़ा कर दीं। वीडियो में रानी एक गाड़ी में बैठी दिख रही हैं और 1988 की रोमांटिक फिल्म 'कयामत से कयामत तक' के सुपरहिट गाने 'ऐ मेरे हमसफर' पर शानदार एक्सप्रेशन देते हुए नजर आ रही हैं। उनका यह वीडियो पोस्ट होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिस पर प्रशंसकों के लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कई यूज़र्स ने उनके अंदाज की तारीफ करते हुए लिखा कि रानी ने इस गाने में नई जान डाल दी है। वीडियो के कैप्शन में रानी ने लिखा '90 दशक के चाहने वालों, जरा ध्यान दें। फिर, प्यार में पड़ने के लिए तैयार हो जाइए।' उनकी इस बात ने लोगों में पुरानी यादें ताजा कर दीं और कमेंट बॉक्स में फैंस ने ढेरों प्रतिक्रियाएं दीं। कोई उनके एक्सप्रेशन की तारीफ करता दिखा तो कोई इस रोमांटिक गाने को अपना पसंदीदा बता रहा था। रानी चटर्जी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'यूपी वाली और बिहार वाली' में नजर आने वाली हैं, जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है।

श्रद्धा कपूर के करियर में नए अध्याय की शुरुआत

एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर राइटर-डायरेक्टर राहुल मोदी के साथ बॉन्डिंग खूब चर्चा में रहती है। फैंस को एक्ट्रेस ने हाल ही एक और खुशखबरी दी है। श्रद्धा कपूर ने बताया कि वह राहुल मोदी की अगली फिल्म का हिस्सा हैं और इस फिल्म की शूटिंग भी पूरी हो चुकी है। श्रद्धा के मुताबिक, फिल्म का आधिकारिक एलान बहुत जल्द किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब वह अपने किरदारों और फिल्मों की स्क्रिप्ट को चुनने में अधिक सोच-समझकर कदम उठा रही हैं, ताकि हर प्रोजेक्ट उनके करियर में नया मूल्य जोड़ सके। श्रद्धा ने खुलासा किया कि राहुल मोदी की यह फिल्म स्टार्टअप कल्चर और आधुनिक युवाओं की तेज रफ्तार वाली 'असल लाइफस्टाइल' को दर्शाएगी।

संघर्ष के दिनों में रोजमर्रा का खर्च चलाना मुश्किल था अर्जुन रामपाल के लिए

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल की पर्सनैलिटी और मॉडल जैसा लुक देखकर कोई भी मान लेगा कि उनका सफर बेहद सुखद रहा होगा। अर्जुन के करियर की शुरुआत ऐसी चुनौतियों से भरी थी कि रोजमर्रा का खर्च चलाना तक मुश्किल बन गया था। एक्टर अर्जुन रामपाल का जन्म मध्य प्रदेश के जबलपुर में हुआ। उनका परिवार मिलिट्री पृष्ठभूमि से जुड़ा था और उनके नाना ब्रिगेडियर गुरदयाल सिंह भारतीय सेना के लिए पहली आर्टिलरी गन डिज़ाइन करने वाली टीम का हिस्सा थे। बचपन में ही माता-पिता के तलाक के बाद उनकी परवरिश अकेले उनकी मां ने की, जो पेशे से स्कूल टीचर थीं। प्रारंभिक पढ़ाई महाराष्ट्र में पूरी करने के बाद उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज में दाखिला लिया और अर्थशास्त्र में ग्रेजुएशन किया। करियर का मोड़ तब आया जब एक पार्टी में उनकी मुलाकात मशहूर फैशन डिजाइनर रोहित बल से हुई, जिन्होंने उन्हें मॉडलिंग का मौका दिया।
कुछ ही समय में अर्जुन भारत के टॉप मॉडल्स की सूची में शामिल हो गए और 1994 में उन्हें 'सोसाइटी फेस ऑफ द ईयर' पुरस्कार भी मिला। परंतु बाहरी चमक के पीछे संघर्ष चल रहा था। अर्जुन ने खुद स्वीकार किया कि मॉडलिंग के दौरान कमाई अनियमित थी और अक्सर स्थिति ऐसी बन जाती कि खाने तक के पैसे नहीं होते थे। फिल्मों में करियर बनाने की कोशिशों ने मुश्किलें और बढ़ा दीं। इसी बीच उन्हें पहली फिल्म 'मोक्ष' में काम का मौका मिला, लेकिन फिल्म बनने में पांच साल लग गए। इस दौरान उन्होंने मॉडलिंग छोड़ दी थी और कोई निश्चित काम भी नहीं था। 2001 में रिलीज हुई 'प्यार इश्क और मोहब्बत' से उन्हें पहचान मिली। फिल्म भले बॉक्स ऑफिस पर कमजोर रही, लेकिन अर्जुन की एक्टिंग की खूब तारीफ हुई और उन्हें आईफा का 'फेस ऑफ द ईयर' अवॉर्ड मिला।
शुरुआती फिल्मों 'दीवानापन,' 'दिल का रिश्ता,' और 'वादा' से अर्जुन की छवि एक रोमांटिक हीरो की बनी, हालांकि ये फिल्में बड़ी हिट नहीं रहीं। असली मोड़ 2006 में 'डॉन' और फिर 'ओम शांति ओम' में मिला, जहां उन्होंने विलेन का किरदार निभाकर दर्शकों को चौंका दिया। 2008 की फिल्म 'रॉक ऑन' ने उन्हें नई पहचान दी। इस भूमिका के लिए उन्होंने महीनों तक गिटार बजाना सीखा और इस फिल्म ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार और फिल्मफेयर में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का सम्मान दिलाया। अर्जुन ने आगे चलकर अपनी प्रोडक्शन कंपनी 'चेजिंग गणेशा फिल्म्स' बनाई और 'आई सी यू' तथा 'डैडी' जैसी फिल्मों का निर्माण किया।

अंधी रफ्तार से दौड़ रही बीएमडब्ल्यू ने फुटपाथ पर सो रहे 3 लोगों को कुचल डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमीरों के लिए गरीब आदमी कीड़े मकोड़े की तरह होता है साहबज्जब मर्जी कोई रहीस आदमी अपनी करोड़ों की कार से आता है और फुटपाथ पर सो रहे गरीबों कों रौंदता चला जाता है। ये शब्द उन चश्मदीदों के हैं जिन्होंने बीती रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में बीती रात तेज रफ्तार का कहर देखा है। एंबियंस मॉल के सामने एक बीएमडब्ल्यू कार ने फुटपाथ पर सो रहे तीन लोगों को कुचल दिया जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कार चालक को मौके से ही हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार यह हादसा देर रात करीब 2 बजे वसंत कुंज इलाके में हुआ। घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि कार बेहद तेज रफ्तार से आ रही थी। कार चला रहे शख्स ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सीधे फुटपाथ पर चढ़ा दी। कार की चपेट में आने से फुटपाथ पर सो रहे तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बीएमडब्ल्यू कार के चालक को तुरंत मौके पर ही हिरासत में ले लिया। उससे आगे की पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त कार हिमाचल प्रदेश नंबर पर पंजीकृत है। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस अब मामले की गहनता से जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हादसा किस गति से हुआ और क्या चालक शराब या किसी अन्य नशे के प्रभाव में था।

अचानक दो हिस्सों में बंट गई ट्रेन, झटका लगते ही यात्रियों में मची हलचल

-बिहार में कारीसाथ स्टेशन के पास कपलिंग टूटी, बड़ा हादसा होने से बचा

आरा (एजेंसी)। पटना-आरा-डीडीयू रेल खंड पर शनिवार शाम रेल दुर्घटना होने से बाल-बाल बची, जब दानापुर से बेंगलुरु जा रही बेंगलुरु सिटी स्पेशल ट्रेन अचानक दो हिस्सों में बंट गई। घटना कारीसाथ रेलवे स्टेशन के पास हुई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। तेज रफ्तार दौड़ रही ट्रेन के दो हिस्सों में बंटते ही यात्री दहशत में आ गए। इंजन और आगे के कुछ डिब्बे काफी दूर निकल गए, जबकि पीछे का बड़ा हिस्सा ट्रैक पर ही रुक गया। मीडिया रिपोर्ट में रेल सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ट्रेन आरा स्टेशन से खुलकर बक्सर की ओर तेज रफ्तार में बढ़ रही थी। इसी दौरान कारीसाथ स्टेशन के पास ट्रेन की कपलिंग अचानक टूट गई। कपलिंग टूटने के साथ ही एक झटके में ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। इंजन का हिस्सा आगे की और करीब 500 मीटर तक चला गया। हालांकि झटका लगने से तुरंत लोको पायलट को कुछ असहज लगा और उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। घटना के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। अपलाइन पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई, जिसके कारण पटना—डीडीयू रूट पर कई ट्रेनें प्रभावित हुईं। अधिकारियों ने कपलिंग टूटने की वजह की जांच शुरू कर दी और बचाव एवं मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर किया गया। काफी प्रयास के बाद इंजन को पीछे लाकर दूसरे हिस्से से जोड़ा गया। रेलवे सूत्रों का कहना है कि समय रहते ट्रेन रुक जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। यदि ट्रेन और तेज गति में होती तो घटना गंभीर रूप ले सकती थी। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अप लाइन पर परिचालन बहाल कर दिया गया। इस घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी जांचों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीआईएसएफ जवान ने नाबालिग की गोली मारकर की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में एक सीआईएसएफ के हेड कांस्टेबल ने नाबालिग लड़के की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उसके पास से पिस्टल भी बरामद की है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि 29 नवंबर को एक शख्स से जानकारी मिली कि कम्युनिटी सेंटर डीडीए मार्केट, एमएस पार्क के पास एक बच्चे को गोली मार दी गई है। जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। क्राइम टीम को बुलाया गया। जांच में पता चला कि मृतक 17 साल का नाबालिग है, जो न्यू मॉडर्न शाहदरा का रहने वाला था। नाबालिग लड़के को कम्युनिटी सेंटर के सामने हो रही शादी के दौरान गोली लगी थी। इस मामले में आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया है, जो सीआईएसएफ में हेड कांस्टेबल है और अभी कानपुर में तैनात है। उसके पास से एक पिस्टल भी बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा लगता है कि लड़के और आरोपी के बीच कहासुनी हुई थी, जिसके बाद आरोपी ने उसे गोली मार दी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

कट्टरपंथियों की खतरनाक साजिश को बेनकाब करेंगी 12 पीड़ित युवतियां

-दिल्ली में लव जिहाद की शिकार लड़कियां डिटेल में बयां करेंगी अपनी कहानियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत समेत कई देश कट्टरपंथ की साजिश का शिकार हैं। डेमोग्राफिक्स को बदलने की साजिशें रची जा रही है। चिंता की बात यह है कि इस मामले में डॉक्टर और इंजीनियर जैसे बहुत पढ़े-लिखे लोग भी इस साजिश में शामिल हैं। इसका उदाहरण लाल किले के पास हुआ आतंकवादी हमला है। इन सबको देखते हुए देश में पहली बार ऐसा इवेंट हो रहा है जैसा पहले कभी नहीं हुआ। आज कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में लव जिहाद की शिकार लड़कियां अपनी कहानियां डिटेल में बताएंगी और इसके तरीकों का खुलासा करेंगी। इस खास इवेंट में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और विश्व हिंदू परिषद के स्टेट प्रेसिडेंट कपिल खन्ना खास तौर पर शामिल होंगे। उनके साथ लव जिहाद की शिकार लड़कियों को बचाने वाले लोग भी होंगे। विहिप दिल्ली के मंत्री सुरेंद्र गुप्ता ने बताया कि 12 लड़कियां, खासकर केरल की, जो लव जिहाद की शिकार हुई हैं, अपनी कहानियां बताएंगी, ताकि हर कोई इस साजिश के बारे में जान सके और समय रहते अपनी बेटियों को बचा सके। दिल्ली एनसीआर की चार और पीड़ित भी इस इवेंट में मौजूद रहेंगी। केरल भारत में लव जिहाद का सेंटर है, जहां हजारों लड़कियों को बहला-फुसलाकर इस्लाम कबूल करवाया गया है और फिर उन्हें इस्लामिक देशों में ट्रैफिकिंग के लिए भेज दिया गया।

चारपाई की तरह कड़ा और लचीला, यही संतुलन लोकतंत्र और न्यायपालिका की असली शक्ति

-सीजेआई सूर्यकांत ने की न्यायिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक ढांचे की स्वदेशी व्याख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई सूर्यकांत ने न्यायिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक ढांचे की स्वदेशी व्याख्या की है। उन्होंने लोकतंत्र की तुलना एक पारंपरिक चारपाई से की, जहां मजबूत लकड़ी का फ्रेम, टिकाऊ पायों और लचीली लेकिन मजबूत रस्सियों के सहारे एक ऐसा ढांचा तैयार करता है जो कड़ा भी है और लचीला भी। सीजेआई के मुताबिक यही संतुलन भारतीय लोकतंत्र और न्यायपालिका की असली शक्ति है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत हरियाणा में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में एक अनोखा सत्र आयोजित किया गया था, जिसमें सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट के 13 जज केशवानंद भारती केस की ऐतिहासिक बहस का री-एनैक्टमेंट करने के लिए एक साथ मंच पर आए थे। इस सत्र में उस बहस को पुनर्जीवित किया गया जिसने भारतीय संविधान में 'बेसिक स्ट्रक्चर' का सिद्धांत स्थापित किया था।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि केशवानंद केस में भारत संवैधानिक जीवन के सिर्फ 23वें वर्ष में था। एक ऐसा राष्ट्र जो अपने संस्थानों को परिभाषित कर रहा था, आदर्शवाद और शक्ति के बीच संतुलन साधना सीख रहा था। उन्होंने कहा कि असल सवाल एक सभ्यतागत प्रश्न था- क्या संसद का बड़ा बहुमत संविधान के नैतिक डीएनए को फिर से लिख सकता है?

सीजेआई ने अमेरिका और ब्रिटेन में भी समय-समय पर एक्जीक्यूटिव द्वारा न्यायिक स्वतंत्रता की सीमाएं परखने की बहस का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि केशवानंद केस की 13 जजों की बेंच ने संवैधानिक परिपक्वता और नैतिकता दोनों का रास्ता चुना। उन्होंने संविधान को सुविधा के हिसाब से मोड़ने से इनकार कर दिया। इसी एक संयम ने दिखाया कि लोकतंत्र को बुद्धिमान बनने के लिए बूढ़ा होने की जरूरत नहीं होती।

सुप्रीम कोर्ट की एकमात्र महिला जस्टिस बी वी नागरत्ना ने कहा कि केशवानंद फैसला न्यायपालिका की स्वतंत्रता के दो केंद्रीय पहलुओं को उजागर करता है। पहला- निर्णय लेने में स्वतंत्रता और दूसरा- संस्थागत स्वतंत्रता। जस्टिस नागरत्ना ने यह भी कहा कि न्यायाधीशों का आचरण बेंच पर भी और बेंच से बाहर भी न्यायपालिका की छवि को तय करता है। उनका कहना था कि जज का आचरण सिर्फ कानूनसम्मत नहीं, बल्कि उससे ऊपर होना चाहिए। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश की आर्थिक मजबूती तभी सुनिश्चित होती है जब सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय तीनों मिलकर एक त्रिमूर्ति की तरह संतुलित हों।

महिला विधायक पल्लवी पटेल ने कहा- एसआईआर फॉर्म मैं नहीं भरुंगी, बताई वजह

गोंडा (एजेंसी)। बिहार के बाद अब उत्तर प्रदेश समेत देश के 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य जारी है। इसी बीच अपना दल (कमेरावादी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और सिराथू विधानसभा सीट से विधायक पल्लवी पटेल ने एसआईआर का विरोध किया है।

विधायक पल्लवी ने स्पष्ट कहा, कि एसआईआर फॉर्म मैं नहीं भरुंगी। ऐसा नहीं करने की उन्होंने वजह भी बताई। महिला विधायक पल्लवी ने गोंडा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए, कि एसआईआर फार्म नहीं भरूंगी और मैं इस प्रक्रिया का विरोध करती हूं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा, मुझे एसआईआर फार्म क्यों भरना चाहिये? मेरे पास वो सारे दस्तावेज मौजूद हैं, जो बतलाते हैं कि मैं भारत की नागरिक हूं। ऐसे में एसआईआर फार्म मुझे क्यों भरना चाहिए? अभी तक सभी चुनव प्रक्रिया में मैं वोट डालती चली आ रही हूं, तो अब एसआईआर का फार्म क्यों भरुं? इसी के साथ ही सिराथू विधायक पल्लवी ने मतदाताओं से अपील की, यदि आपको एसआईआर समझ आए तो भरिये, नहीं आए तो मत भरिये। उन्होंने दावा किया, कि जिस तरह से महिला आरक्षण कागजों में रह गया है, वैसे ही एसआईआर भी जमीन पर नहीं उतरने वाला है। इसी के साथ उन्होंने एसआईआर को सरकार का जुमला बताया और कहा कि इसके जरिए सत्तारुढ़ पार्टी लोकतंत्र पर हमला कर रही है। पल्लवी ने कहा कि विपक्ष इसका विरोध इसलिए कर रही है क्योंकि सरकार की नीयत पर शक है। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में उन्हें ज्यादा सीट चाहिए वहां एसआईआर कराया जा रहा है। एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ पर अनावश्यक प्रेशर बनाया जा रहा, जो अमानवीय कृत्य है।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर आयोग के रवैये से लोग चिंतित, कुछ तो गड़बड़ है

-पहले भी हुआ है एसआईआर, सचिन पायलट ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि इस प्रक्रिया को लेकर आयोग के रवैये से लोगों के मन में चिंता है। पायलट ने आरोप लगाया कि फील्ड स्टाफ पर अनावश्यक दबाव और जल्दबाजी में समयसीमा तय करने से पता चलता है कि प्रक्रिया में कुछ तो गड़बड़ है।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर देश में पहले भी कई बार हुआ है। लेकिन कोई चर्चा नहीं होती थी, लोगों के मन में कोई आशंका नहीं रहती थी। पहली बार निर्वाचन आयोग का जो रवैया रहा है। उससे लोगों के मन में चिंता है। पायलट ने आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में लोगों के नाम काटे गए। कई राज्यों में लोग तनाव में हैं, और कुछ तो इस दबाव के कारण आत्महत्या भी कर रहे हैं। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कुछ गड़बड़ हो रही है।

सचिन पायलट ने कहा कि निर्वाचन आयोग को निष्पक्ष संस्था के रूप में काम करना चाहिए क्योंकि मतदाता सूची के शुद्धिकरण का काम निर्वाचन आयोग का है, किसी राजनीतिक दल का नहीं। पायलट ने कहा कि कांग्रेस देश भर में अभियान चला रही है ताकि यह तय किया जा सके कि कोई भी नागरिक अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो। उन्होंने कहा कि हम यह तय करना चाहते हैं कि गरीब लोग, दलित, आदिवासी और बुजुर्ग जागरुकता की कमी के कारण या किसी के द्वारा उनका नाम हटाने की मंशा के कारण मतदान के अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित न हों।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को निष्पक्षता से काम करना चाहिए और यदि विचारधारा, सरकार और नेता के दबाव में काम करोगे तो यह जनता और कांग्रेस पार्टी को स्वीकार नहीं होगा।

राहत सामग्री लेकर कोलंबों पहुंचे भारतीय विमान, फंसे हुए भारतीयों को वापस भी लाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह ने जमकर तबाही मचाई। इसमें करीब 150 लोगों की जान चली गई। कुछ भारतीय भी यहां फंस हुए है। केंद्र की मोदी सरकार ने तत्काल ऑपरेशन सागर बंधु की शुरुआत की और मदद की लिए हाथ बढ़ाया। वायुसेना के मुताबिक दिल्ली के निकट हिंडन एयर बेस से सी-130 और आईएल-76 विमान राहत सामग्री लेकर श्रीलंका के लिए रवाना हुए हैं। इन विमानों में 21 टन राहत सामग्री, 80 से अधिक एनडीआरएफ कर्मी और 8 टन उपकरण हैं। रविवार सुबह को दी गई जानकारी में वायुसेना ने बताया कि राहत सामग्री लेकर निकले इन विमानों ने कोलंबो में लैंड किया है। भारतीय वायुसेना के विमानों के जरिए न केवल राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है, बल्कि एनडीआरएफ की रेस्क्यू टीम श्रीलंका में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने की कोशिशों में लगी हुई है। इसके अलावा तमिलनाडु में भी राहत और बचाव की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

वायुसेना के अनुसार श्रीलंका में मदद के लिए भेजी गई सामग्री में आवश्यक राशन, दवाइयां, मेडिकल किट, भिष्म क्यूब्स और अन्य आपदा राहत उपकरण शामिल हैं। वहीं, 17 ग्लोबमास्टर ने पुणे से चेन्नई तक एक और एनडीआरएफ टीम तथा भारी उपकरण पहुंचाए हैं। यह अभियान इसलिए शुरू किया गया है ताकि दक्षिण भारत के तटीय क्षेत्रों में भी राहत प्रयासों को तेज किया जा सके।

30 नवंबर की सुबह हिंडन एयरबेस से एक सी-130 विमान राहत सामग्री लेकर रवाना हुआ। वहीं आईएल-76 विमान पहले ही कोलंबो पहुंच चुका था। यह दल विमान से राहत सामग्री उतारने के साथ-साथ फंसे हुए भारतीय नागरिकों को वापस लाने का काम भी करेगा। अतिरिक्त सहायता के तौर पर एक और सी-17 विमान वडोदरा में एनडीआरएफ टीम और उनके उपकरणों के साथ लोड किया जा रहा है, जिसे चेन्नई भेजा जाएगा। सभी एयरलिफ्ट मिशन लगातार संचालित हैं ताकि श्रीलंका एवं तमिलनाडु दोनों स्थानों पर समयबद्ध सहायता सुनिश्चित की जा सके। यह मानवीय सहायता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारतीय वायुसेना ने स्पष्ट किया है कि वह जीवन बचाने और संकटग्रस्त पड़ोसी देशों को हर संभव समय पर सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऑपरेशन सागर बंधु, भारत व श्रीलंका की मैत्री और क्षेत्रीय सहयोग का संवेदनशील और मानवीय उदाहरण बनकर सामने आया है।

भारतीय वायुसेना के विमान यहां आवश्यक उपकरण एवं राहतकर्मियों को लेकर पहुंचे हैं। भारत ने 'पड़ोसी प्रथम' की भावना को दोहराते हुए आपदा में लोगों को राहत पहुंचाने की पहल की है। भारतीय वायुसेना के विमान व हेलीकॉप्टर बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाने और आपदा राहत अभियान में जुटे हुए हैं। इस पूरे अभियान को ऑपरेशन सागर बंधु नाम दिया गया है। ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तत्काल बचाव अभियान को अंजाम देने वाले दल की तैनाती और राहत सामग्री की आपूर्ति की जा रही है। भारतीय वायुसेना ने राहत कार्यों की गति तेज करने के लिए कोलंबो में एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। इससे तेजी से प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाई जा सकेगी। इसी के साथ, बड़े पैमाने पर भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए वायुसेना के सी-17, सी-130 और आईएल-76 परिवहन विमान तैयार रखे गए हैं। वायुसेना की ओर से साझा जानकारी के अनुसार 29 नवंबर की रात सी-130 और आईएल-76 विमान हिंडन एयर बेस से रवाना हुए। इन विमानों में 21 टन राहत सामग्री व 80 से अधिक एनडीआरएफ के कर्मी मौजूद थे। इसके अलावा, बाढ़ व तूफान आदि के कारण जटिल इलाकों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए विशिष्ट उपकरण भेजे गए हैं।

राजनीति से संन्यास लेकर बोले अवध ओझा: अब जो मन में आएगा, वही बोलूंगा...

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर मोटिवेशनल स्पीकर और शिक्षक अवध ओझा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में मात्र एक पारी खेली और उसके तुरंत बाद राजनीति से संन्यास ले लिया। अब वे फिर से अपनी पुरानी आज़ादी में लौट आए हैं और इसे लेकर बेहद खुश नज़र आ रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन्होंने खुलकर बताया कि राजनीतिक दल में रहते हुए उन्हें जो 'बोलने की बंदिश' लगी थी, उससे मुक्ति मिलने का अहसास है कि अब वे बिना किसी दबाव के जो मन में आएगा, वही बोलेंगे।

अवध ओझा ने साफ कहा, भैया मैं राजनीति ही नहीं करूंगा। बहुत दूर रहूंगा, बहुत खुश हूं। पहली बात तो बोलना बंद हो गया था। पार्टी लाइन के बाहर कुछ नहीं बोल सकते। ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकतेज हम बोलेंगे नहीं तो मर जाएंगे। अब मैं इतना अच्छा महसूस कर रहा हूं। अब कोई फोन करके नहीं कहेगा कि ये बोलो, वो मत बोलो। अब तो बस वही बोलेंगे जो दिल कहेगा।

उन्होंने उस वायरल इंटरव्यू का भी ज़िक्र

किया जिसमें आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बीच में दखल देकर इंटरव्यू रुकवा दिया था। मजबूरन ओझा को कैमरे पर कहना पड़ा था कि पार्टी लाइन वही लोग तय करेंगे, मैं उसी के मुताबिक बोल सकता हूं। उस घटना को याद करते हुए ओझा ने हंसते हुए कहा, अच्छा बताओ वो इंटरव्यू कितना अच्छा चल रहा था। बीच में रोक दिया। भगवान बचाए राजनीति से दादा!

भाजपा में जाने की अटकलों पर भी उन्होंने पूरी तरह विराम लगा दिया। स्पष्ट शब्दों में बोले, 'न 'मैं कहीं टिकट नहीं मांगूंगा। राजनीति से पूरी तरह दूर रहूंगा। चुनावी खर्च के सवाल पर मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मेरा खुद का एक रुपया नहीं लगा। सारे दोस्तों, मित्रों और शुभचिंतकों ने दिया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी जॉइन की थी। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की खाली हुई पटपड़गंज सीट से उन्होंने चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। हार के बाद से ही वे पार्टी के किसी कार्यक्रम में नज़र नहीं आए और धीरे-धीरे कोचिंग क्लासेस में वापस लौट गए। पिछले दिनों उन्होंने औपचारिक रूप से राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि महज़ चुनाव लड़ने की उत्कंठा और जिज्ञासा की वजह से वे राजनीति में आए थे, लेकिन एक बार मैदान में उतरने के बाद अहसास हुआ कि यह उनका क्षेत्र नहीं है। अब अवध ओझा फिर से अपनी कोचिंग और मोटिवेशनल स्पीच में पूरी तरह व्यस्त हो चुके हैं। उनके प्रशंसक भी उनकी इस वापसी से खुश हैं, क्योंकि एक बार फिर वही बेबाक, बिंदास और बिना किसी लाइन के बोलने वाला अवध ओझा लौट आया है।

आज के भारतीय तो अपनी मातृभाषा के शब्द भी नहीं जानते: मोहन भागवत

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मातृभाषाओं के उपयोग को लेकर गंभीर चिंता जताई है। नागपुर में एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर बोलते हुए भागवत ने कहा, कि आज बहुत से भारतीय अपनी मातृभाषा के शब्द भी नहीं जानते हैं और अंग्रेजी के मिश्रण से संवाद करते हैं। उनका कहना है कि इस प्रकार हमारी भाषायी विरासत का क्षय हो रहा है।

यहां भागवत ने कहा, एक समय था जब रोजमर्रा की भाषा में संस्कृत का प्रयोग आम था। अब हाल यह है कि अमेरिका के प्रोफेसर हमें संस्कृत पढ़ाते हैं। उन्होंने मातृभाषा के अभ्यास और ज्ञान पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को अपनी भाषा की समझ होनी चाहिए। भागवत ने उदाहरण देते हुए कहा कि संत ज्ञानेश्वर ने भगवद्गीता को मराठी में प्रचारित किया, जिससे भाषा और संस्कृति की गहराई समझ में आती है। आरएसएस प्रमुख ने अंग्रेजी शब्दों की सीमा पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी भावनाओं और सांस्कृतिक अर्थों की गहराई को पकड़ नहीं पाती। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कल्पवृक्ष के लिए अंग्रेजी में कई शब्द हैं, लेकिन कोई भी इसका वास्तविक अर्थ नहीं बता सकता। उनका कहना है कि विदेशी भाषाएं हमारी संस्कृति की पूर्ण गहराई तक नहीं पहुंच सकतीं। इसी के साथ भागवत ने मातृभाषाओं को सीखने और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन विविधता में एकता की भावना को महत्व देता है, और इसी आधार पर भाषायी चेतना को बढ़ावा देना जरूरी है।

चुनाव आयोग और टीएमसी में टकराव: पश्चिम बंगाल में सियासी जंग का जरिया बना एसआईआर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा चलाया जा रहा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान अब पूरी तरह राजनीतिक जंग का मैदान बन चुका है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर खुलेआम हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि एसआईआर के नाम पर राज्य में लाखों वैध मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं, खासकर सीमावर्ती इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने की आड़ में अल्पसंख्यक और गरीब वोटरों को निशाना बनाया जा रहा है।

टीएमसी का सबसे गंभीर आरोप यह है कि एसआईआर शुरू होने के बाद से अब तक राज्य में 40 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें कई बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) भी शामिल हैं। पार्टी ने शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश

कुमार से मुलाकात कर पांच सवाल पूछे, लेकिन एक का भी जवाब नहीं मिलने का दावा किया। राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा, हम एसआईआर का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि इसके अमानवीय और अव्यवस्थित तरीके का विरोध कर रहे हैं। चुनाव आयोग के हाथ खून से रंगे हैं।

वहीं, चुनाव आयोग ने टीएमसी के सभी आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने साफ कहा कि बीएलओ पर दबाव काम का नहीं, बल्कि स्थानीय टीएमसी कार्यकर्ताओं की धमकियों और दबाव का नतीजा है। आयोग का दावा है कि तृणमूल नहीं चाहती कि मृत, स्थानांतरित, डुप्लीकेट या अवैध (खासकर बांग्लादेशी) मतदाताओं के नाम हटाए जाएं, क्योंकि ये उनके वोट बैंक का हिस्सा हैं। आयोग ने पश्चिम बंगाल के डीजीपी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर को तुरंत पत्र लिखकर सभी बीएलओ की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। हाल ही में सीईओ कार्यालय में सुरक्षा चूक की घटना के बाद आयोग ने कार्यालय को अधिक सुरक्षित जगह पर शिफ्ट करने और मौजूदा भवन की सुरक्षा बढ़ाने को कहा है।

टकराव को और गहरा करने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुब्रत गुप्ता (1990 बैच, पश्चिम बंगाल कैडर) को 'स्पेशल रोल ऑब्ज़र्वर' नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 12 अन्य आईएएस अधिकारियों को 'इलेक्टोरल रोल ऑब्ज़र्वर' बनाया गया है। ये अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र (विदेशी) व्यक्ति सूची में शामिल न हो।

चुनाव आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि स्लम, ऊंची इमारतों और कॉलोनियों में भी मतदान केंद्र बनाए जाएं, जैसा पूरे देश में होता है। टीएमसी की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए आयोग ने चेतावनी दी है कि निर्देशों का पालन न करने पर कठोर कार्रवाई होगी। सीमावर्ती जिलों से लगातार वीडियो और तसवीरें वायरल हो रही हैं, जिनमें लोग कथित तौर पर भारत-बांग्लादेश सीमा पार करते दिख रहे हैं। टीएमसी इसे ÷वोट काटने की साजिश÷ बता रही है, जबकि ईसी का कहना है कि यह घुसपैठिए वापस अपने देश जा रहे हैं, क्योंकि अब उनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं रहेगा। फिलहाल दोनों पक्ष अपनी-अपनी जगह अड़े हुए हैं। एक तरफ ममता बनर्जी और टीएमसी सड़क से संसद तक आंदोलन की धमकी दे रहे हैं, तो दूसरी तरफ चुनाव आयोग संविधान के अनुच्छेद 326 का हवाला देकर साफ कर रहा है - वोट का अधिकार सिर्फ भारतीय नागरिक को है, किसी विदेशी को नहीं। आने वाले दिनों में यह टकराव और भयंकर रूप ले सकता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com